mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-213 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

04 अगस्त 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड

@ पेज 7

पहलगाम हमला, मणिशंकर बोले–हम छाती पीटकर कह रहे पाकिस्तान जिम्मेदार

दुनिया मानने को तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि हमारे सांसद पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने दुनिया भर में गए, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं मानी। हम इकलौते हैं, जो अपनी छाती पीट-पीटकर कहते हैं कि हाय-हाय पाकिस्तान जिम्मेदार है, लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं। अय्यर ने शनिवार को न्यूज एजेंसी IANS से बातचीत में आगे कहा कि यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र (UN) और अमेरिका ने भी पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। कोई मानने को तैयार नहीं, क्योंकि हम कोई सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताने के लिए 7 डेलिगेशन को 33 देशों में भेजा था। डेलीगेशन में 59 सदस्य थे, जिनमें 51 नेता और 8 राजदूत शामिल थे।

जितेंद्र आव्हाड के बयान पर भाजपा का पलटवार

कहा– तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे एनसीपी-एसपी के नेता

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के एनसीपी-एसपी के विधायक जितेंद्र आव्हाड के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि एनसीपी एसपी के नेता तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। एनसीपी एसपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि सनातन धर्म ने भारत को बदनाम कर दिया है।

इस पर भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि शरद पवार के गुट के नेता का बयान शास्त्रों के अधूरे अध्ययन पर आधारित है। क्या आप सनातन धर्म को बदनाम कर रहे हैं? क्या अब आप अपनी राजनीति के लिए ऐसा करेंगे? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जितेंद्र आव्हाड केवल तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

इससे पहले एनसीपी-एसपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है। सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। इसी तथाकथित सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्याभिषेक से वंचित रखा। इसी सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसी सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया। उन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। इसी सनातन धर्म ने शाहू महाराज की हत्या का षडयंत्र रचा।

उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म ने डॉ. बीआर आंबेडकर को पानी पीने और स्कूल जाने तक की अनुमति नहीं दी। यह बाबासाहेब आंबेडकर ही थे जो अंततः सनातन धर्म के विरुद्ध उठे। मनुस्मृति को जलाया और इसकी दमनकारी परंपराओं को खारिज किया। मनुस्मृति के रचयिता स्वयं इसी सनातनी परंपरा से निकले थे। किसी को भी खुले तौर पर यह कहने में संकोच नहीं करना चाहिए कि सनातन धर्म और उसकी सनातनी विचारधारा विकृत है।

गोंडा में बोलेरो नहर में गिरी, 11 की मौत

गाड़ी में छटपटाते रहे, बाहर नहीं निकल पाए; मंदिर पर जल चढ़ाने जा रहे थे

गोंडा, एजेंसी। यूपी के गोंडा में तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें ज्यादातर एक ही परिवार के हैं। बोलेरो में 15 लोग थे। 4 को शीशा तोड़कर स्थानीय लोगों ने बचा लिया। यह सभी जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि बोलेरो से एक भी शख्स खुद बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के चलते नहर में लबालब पानी था। नहर में गिरते ही गाड़ी के गेट लॉक हो गए। कुछ ही सेकेंड में पूरी गाड़ी में पानी भर गया। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे। तड़प-तड़पकर उनकी मौत हो गई।

जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वह बचाने के लिए पानी में कूद गए। लेकिन, गेट नहीं खोल पाए। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर 4 लोगों को बचाकर बाहर निकाला।हादसा रविवार सुबह 10 बजे मोतीगंज थाना क्षेत्र में हुआ। 10

मिनट में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद प्रॉपर रेस्क्यू शुरू किया। कार के आगे के शीशे तोड़कर एक-एक को बाहर निकालकर सड़क पर लाया गया। बोलेरो अभी भी नहर में फंसी हुई है।

हादसे के बाद का वीडियो सामने आया है। इसमें सड़क पर 11 लाशें पड़ी हुई हैं। किसी को बेटी तो किसी को किसी को बेटा सीपीआर देकर बचाने की कोशिश करता नजर आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की स्पीड 60 किमी प्रति घंटे थी। मृतकों में 6 महिलाएं, 2 पुरुष और 3 बच्चे हैं। मृतकों में बीना (35), काजल (22), महक (12), दुर्गेश, नंदिनी, अंकित, शुभ, संजू वर्मा, अंजू, अनसुइया, सौमिया हैं।

मंदिर का आधा सफर हुआ था एक ग्रामीण ने बताया कि बोलेरो में प्रह्लाद कसौधन का परिवार और उनके रिश्तेदार थे। सभी मोतीगंज थाने के सिहा गांव के रहने वाले थे। प्रह्लाद का गांव में मेवालाल माध्यमिक विद्यालय नाम से इंटर कॉलेज है। वह प्रबंधक थे। सुबह साढ़े 9 बजे मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। गांव से पृथ्वीनाथ मंदिर की 50 किमी है। गाड़ी से आधा सफर यानी 25 किमी पूरा कर लिया था।

सीएम ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया

सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने अफसरों को तत्काल मौके पर पहुंचने और राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, सीएम ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 40 शवों की पहचान पर संदेह

ब्रिटिश परिवार डीएनए की पुष्टि के इंतजार में ; दावा– भारत से भेजे गए 2 शव गलत

अहमदाबाद/लंदन,एजेंसी। अहमदाबाद से लंदन जा रहे एअर इंडिया प्लेन क्रैश में मारे गए 52 ब्रिटिश नागरिकों के परिजन शवों की पहचान को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। ब्रिटेन की लीगल फर्म की स्टोन लॉ के मुताबिक, भारत से भेजे गए 12 शवों में से दो की पहचान गलत पाई गई। इस हिसाब से 40 शवों की पहचान पर संदेह जताया जा रहा है, जबकि कई शवों का अंतिम संस्कार भी हो चुका है। ब्रिटिश वकील जेम्स हीली-प्रैट ने भारत की जांच एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (AAIB) से अपील की है कि वे कॉकपिट रिकॉर्डिंग और फ्यूल-कटऑफ जैसे अहम सबूत परिवारों को दें।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच इस मुद्दे पर हाल में हुई चर्चा के बाद DNA की प्रक्रिया में तेजी आई है। कुछ शवों के DNA से मेल खाने की पुष्टि जल्द होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वहीं, टाटा समूह द्वारा 500 करोड़ के मुआवजे की योजना पर भी परिजन स्पष्टता की मांग कर रहे हैं, क्योंकि भारत, इंग्लैंड और अमेरिका में कानूनी कार्यवाही में समय लगता है। परिजन ने जांच में पारदर्शिता की भी मांग की है। अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया का प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। विमान में 242 लोग सवार थे। जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी।

वाराणसी-प्रयागराज के 1 लाख घरों में गंगा का पानी भरा

यूपी के 12 जिलों में बाढ़, म.प्र. में 9 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के तेज बारिश के कारण 12 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। इनमें प्रयागराज, काशी जिले शामिल हैं। वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का पानी एक लाख से अधिक घरों में घुस गया है। रविवार सुबह 6 बजे गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 20 CM. ऊपर बह रहा है, खतरे का निशान 71.4 मीटर है। आज राज्य के 71 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 7 जिलों में बहुत तेज बारिश हो सकती है।

बिहार के सभी 38 जिलों में रविवार का तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। 18 जिलों में ऑरेंज, तो 20 जिलों में यलो अलर्ट है। बीते 24 घंटे में पटना समेत 13 जिलों में बारिश हुई। पटना में 666.20mm बारिश दर्ज की गई है। यहां सड़कों पर 2 फीट तक पानी भरा।

मध्य प्रदेश में 9 जिलों में आज तेज बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। साथ ही अगले 2 दिन तक ऐसा मौसम बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला में मलबा हटा रही JCB पर पहाड़ी से बड़ा से पत्थर गिरा। JCB खाई में गिरी, घटना में ड्राइवर की मौत हो गई।

राजस्थान के 9 जिलों में भी बारिश का यलो अलर्ट है। यहां बीकानेर के नोखा में दो मकान ढह गए। आस-पास के 7 मकान भी खाली कराए गए हैं। हनुमानगढ़ में भी एक मकान गिरा। इधर, यूपी में गंगा-यमुना, बेतवा नदियां उफान पर हैं। काशी में सभी 84 घाट गंगा में डूबे हैं। प्रयागराज में भी गंगा-यमुना का पानी 10 हजार घरों में भर गया।

असम, मेघालय समेत 5 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट : देशभर में मानसून जमकर बरस रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को असम, मेघालय समेत 5 जिलों में बारिश का रेड, बिहार-उत्तराखंड समेत 6 जिलों में ऑरेंज और राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 15 जिलो में यलो अलर्ट जारी किया है।

टैरिफ के ऐलान के बाद अमेरिकी तेल इंपोर्ट दोगुना

भारत ने अप्रैल-जून में 30 हजार करोड़ का तेल खरीदा, फिर भी ट्रम्प धमका रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल में ट्रम्प के टैरिफ ऐलान के बाद भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद दोगुनी कर दी है। अप्रैल-जून तिमाही में इसमें सालाना आधार पर 114त्न की बढ़ोतरी हुई है। 2024 में अप्रैल से जून के बीच भारत ने अमेरिका से करीब 15 हजार करोड़ रुपए का तेल खरीदा था। 2025 में अप्रैल से जून के बीच में यह आंकड़ा दोगुना बढ़कर 32 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया। न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

जनवरी में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद बढ़ी तेल खरीदी: भारत ने अमेरिका से जनवरी से जून 2025 के बीच हर दिन 2.71 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। 2024 में जनवरी से जून के बीच ये आंकड़ा 1.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। केवल जुलाई 2025 में जून के मुकाबले 23त्न ज्यादा कच्चा तेल अमेरिका से आया। भारत के कुल तेल आयात में भी अमेरिका की हिस्सेदारी 3त्न से बढ़कर 8 प्रतिशत तक पहुंच गई।

ट्रम्प ने रूस से तेल खरीद पर पेनल्टी लगाने की धमकी दी: 30 जुलाई को ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करते हुए कहा था कि भारत हमेशा से अपनी ज्यादातर सैन्य चीजें रूस से खरीदता है और रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है।

'10 मिनट में, नितिन गडकरी के आवास को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा ; जांच में जुटी पुलिस

मुंबई ,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर जिले में वर्धा रोड स्थित आवास को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद वरिष्ठ भाजपा नेता के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, धमकी देने के आरोप में नागपुर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम उमेश विष्णु राउत है।

पुलिस के अनुसार, कंट्रोल रूम को इमरजेंसी नंबर 112 पर एक कॉल आया जिसमें चेतावनी दी गई थी कि गडकरी के महाल स्थित आवास को दस मिनट के भीतर उड़ा दिया जाएगा। कॉल मोबाइल नंबर 7498579746 से ट्रेस हुई, जो तुलसी बाग रोड, महाल, बीमा दवाखाना, सक्करदरा के निवासी उमेश विष्णु राउत के नाम पर पंजीकृत था।

इस मामले पर नागपुर डीसीपी एस रुशिकेश रेड्डी ने कहा कि हमें एक कॉल आया, जिसमें किसी ने दावा किया कि उन्होंने नितिन गडकरी के घर में बम रखा है और वह फटने वाला है। हमने तुरंत बम निरोधक दस्ते को सक्रिय किया और घर की सुरक्षा को सुनिश्चित की। हमारे अधिकारियों ने भी दौरा किया। हमने बम निरोधक दस्ते के साथ घर की जांच भी की। हालांकि, हमें कुछ भी नहीं मिला। इसलिए, हम तुरंत समझ गए कि यह एक फर्जी कॉल थी।

तेजस्वी यादव के पास दो EPIC नंबर तो क्या उनके पास दो वोटर आईडी कार्ड हैं?, भाजपा ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली ,एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के मामले पर खूब हंगामा जारी है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम ही मतदाता सूची से गायब है और उन्होंने चुनाव आयोग की एसआईआर की पूरी कवायद को सवालों के घेरे में खड़ा करने की कोशिश की। हालांकि चुनाव आयोग ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी यादव का नाम नहीं कटा है और वोटर लिस्ट जारी कर दी। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से पता चला कि तेजस्वी यादव के दो EPIC नंबर हैं। भाजपा ने तुरंत इस मुद्दे को लपकते हुए सवाल किया कि क्या तेजस्वी यादव के पास दो वोटर आईडी कार्ड हैं?

संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताई पूरी कहानी : भाजपा सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राजद नेता और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने 1 अगस्त को बिहार में एसआईआर के बाद जो मतदाता सूची जारी की, उसे लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस मतदाता सूची में मेरा नाम नहीं है। तो क्या मैं इस बार के चुनाव में भाग ले पाऊंगा? उस समय तेजस्वी यादव ने अपने मोबाइल को दिखाते हुए EPIC नंबर बताया। तेजस्वी यादव ने जो EPIC नंबर दिया, वो है RAV2916120। यह नंबर तेजस्वी यादव ने मोबाइल पर भी डालकर दिखाया और दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं आ रहा है।

चिदंबरम बोले– चुनाव आयोग कर रहा अधिकारों का दुरुपयोग, इसका राजनीतिक और कानूनी विरोध जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग राज्यों की चुनावी संरचना और मतदाता स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रहा है, जो अधिकारों का दुरुपयोग है और इसका विरोध राजनीतिक व कानूनी तरीके से किया जाना चाहिए। **बिहार और तमिलनाडु को लेकर जताई चिंता :** पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बिहार में 65 लाख मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं, जबकि तमिलनाडु में 6.5 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने की खबरें चिंताजनक और गैरकानूनी हैं। **प्रवासी मजदूरों का अपमान– चिदंबरम** उन्होंने कहा, इन लोगों को स्थायी रूप से पलायन कर चुके बताना प्रवासी मजदूरों का अपमान है और यह तमिलनाडु की जनता के अपने चुने हुए प्रतिनिधि चुनने के अधिकार में सीधी दखलअंदाजी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब छठ पूजा जैसे त्योहारों में प्रवासी मजदूर अपने राज्य लौट सकते हैं, तो क्या विधानसभा चुनाव के समय नहीं लौट सकते?

सुप्रीम कोर्ट टिप्पणी

दहेज उत्पीड़न के आरोपी पति पर जमानत के लिए पत्नी के साथ रहने की शर्त जोखिम भरी

नई दिल्ली,एजेंसी। ने कहा कि दहेज उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत के लिए आरोपी पति पर पत्नी के साथ सम्मान और गरिमा के साथ रहने की शर्त लगाना, जोखिम भरा हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट द्वारा अग्रिम जमानत के लिए लगाई गई ऐसी शर्त को रद्द कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने ऐसी शर्त लगाने की निंदा करते हुए कहा, यह सीआरपीसी की धारा 438 (2) से संबंधित नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि पति-पत्नी एक समय पर अलग हो गए थे और कुछ समय तक अलग रहे थे। यह शर्त लगाना कि अपीलकर्ता पत्नी के साथ सम्मान और गरिमा के साथ रहेगा, जोखिम भरा है क्योंकि इससे आगे मुकदमेबाजी हो सकती है। पीठ ने कहा, हमारा विचार है कि हाईकोर्ट

को अग्रिम जमानत पर पूरी तरह से गुण-दोष के आधार पर विचार करना चाहिए था, न कि ऐसी शर्त लगाने पर जो सीआरपीसी की धारा 438 (2) से संबंधित नहीं है। अपीलकर्ता पति पर भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए (क्रूरता), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचना), 313 (सहमति के बिना गर्भपात कराना), 506 (आपराधिक धमकी), 307 (हत्या का प्रयास), 34 (साझा इरादा) के साथ-साथ दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पति की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने इस शर्त पर गिरफ्तारी-पूर्व जमानत देने पर सहमति जताई कि अपीलकर्ता-पति अपनी पत्नी के साथ फिर से वैवाहिक जोड़े की तरह रहेगा। उसका सम्मान और गरिमा के साथ भरण-पोषण करेगा। ऐसी शर्त लगाए जाने से व्यथित होकर पति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। यह देखते हुए कि हाईकोर्ट ने त्रुटि की है, शीर्ष न्यायालय ने कहा,यदि इस आधार पर कि ऐसी शर्त का पालन नहीं किया गया है और जमानत रद्द करने का आवेदन दायर किया जाता है तो अपीलकर्ता इसका विरोध करेगा। यह हाईकोर्ट को और भी कठिनाई में डाल सकता है।

मध्य प्रदेश में रूठे और उपेक्षित नेताओं को सक्रिय करने में जुटी भाजपा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मोर्चा संभालते ही संगठन की विचारधारा से दाएं-बाएं होने वाले नेताओं को पहले ही चेतावनी दे दी गई है तो वहीं जिलों में जाकर रूठे और उपेक्षित नेताओं में जान फूंकने की कवायद खुद खंडेलवाल कर रहे हैं। वह कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनके साथ भोजन पर चर्चा कर रहे हैं। इस आयोजन में मंत्री, विधायक, सांसद और वरिष्ठ नेताओं का बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मेलजोल बढ़ाया जा रहा है। इससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि गठित होने वाली प्रदेश व जिला कार्यकारिणी में पुराने नेताओं की मौजूदगी प्रमुखता से दिखाई दे सकती है। वहीं डेढ़ साल बाद नगरीय निकाय, पंचायत और सहकारिता चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। राज्य सरकार सहकारिता चुनाव कराने की भी बात कर रही है। ऐसे में खंडेलवाल का यह नवाचार महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं का बड़े नेताओं के साथ निरंतर संवाद और कामकाज के प्रति समर्पण बना रहे, इस उद्देश्य से खंडेलवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र बैतूल से इसकी शुरूआत कर दी है। वह आगामी तीन माह तक प्रदेश के सभी संगठनात्मक 62 जिलों का दौरा करेंगे। इससे पहले वह ग्वालियर, जबलपुर और रीवा संभाग का दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर चुके हैं।

खंडेलवाल ने अध्यक्ष बनने के कुछ दिन बाद से ही पुराने वरिष्ठ नेताओं से भी मेलजोल बढ़ाया है। वह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, वरिष्ठ नेता कप्तान सिंह सोलंकी और गौरीशंकर शेजवार जैसे कई वरिष्ठ नेताओं से मिलकर मार्गदर्शन ले चुके हैं। इस नवाचार को लेकर भाजपा प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल का कहना है कि भाजपा संपर्क और संबंधों के आधार पर परिवार भावना से संगठन चलाती है। संगठन के मुखिया के नाते प्रदेश अध्यक्ष लगातार प्रयास कर रहे हैं कि पार्टी के हर स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद हो।

भाजपा संगठन भी पुराने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में जुट गया है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जिला और मंडल कार्यकर्ताओं के अलावा पार्टी के उपेक्षित और पुराने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। जामवाल, पार्टी कार्यकर्ताओं के शिकवे शिकायतें भी धैर्य के साथ सुन रहे हैं। हाल ही में जामवाल ने रायसेन और इंदौर पहुंचकर कार्यकर्ताओं की बैठकें की थीं। वैसे तो जामवाल का मुख्यालय रायपुर है, लेकिन वह संगठन को मजबूत करने की दिशा में मप्र के सभी अंचलों में का दौरा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की अंतरित

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का अंतरण शनिवार को वाराणसी उत्तर प्रदेश से वर्चुअल किया गया। इसमें इंदौर जिले के 75 हजार 368 पंजीकृत पात्र किसानों के बैंक खातों में 15 करोड़ 7 लाख 36 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई।

कलेक्टर कार्यालय इंदौर में आयोजित जिले के मुख्य कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और सांसद शंकर लालवानी उपस्थित थे। मंत्री सिलावट ने कहा कि फरवरी 2019 में आरंभ हुई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में अब तक देशभर में 3.75 लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत?वपूर्ण कदम है। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम से 20वीं किस्त के रूप में देश के 9 करोड़ 70 लाख किसानों को लगभग 20,500 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई। मंत्री सिलावट ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस योजना में कुल 87 लाख 93 हजार किसानों को लगभग 7,039 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। इंदौर जिले के 75,368 पंजीकृत पात्र किसानों के बैंक खातों में 15 करोड़ 7 लाख 36 हजार रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई। जिले की सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 35,854 किसानों को 7 करोड़ 17 लाख 8 हजार रुपये की किस्त प्राप्त हुई।

यूनियन कार्बाइड के कचरे में कैंसर कारक पेस्टीसाइड एवं इनसेक्टीसाइड नहीं पाये गये

भोपाल। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के परिसंकटमय अवशिष्ट के भस्मक जलाने के बाद राख में किसी भी प्रकार के पेस्टीसाइड एवं इनसेक्टीसाइड मौजूद नहीं पाये गये, जो कि कैंसर के मुख्य कारण होते हैं। इसमें हेवी मैटल्स की मात्रा भी बहुत सीमित पायी गयी। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जनसम्पर्क अधिकारी मनोज कुमार मंडरई ने यह जानकारी दी है। मंडरई ने बताया कि पीथमपुर प्लांट में जलाये गये वेस्ट के बाद उत्पन्न हुई राख में किसी भी रसायन का रिसाव भूमिगत जल की गुणवत्ता प्रभावित नहीं कर सकेगा। साथ ही भूमिगत जल प्रभावित होने की संभावना भी नहीं होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में इससे कोई खतरा नहीं है और इसकी 30 वर्षों तक मॉनीटरिंग भी की जायेगी।

साइबर सिक्योरिटी एडवाइजरी अब प्रत्येक कार्मिक तक पहुंचाएगा एम.पी. ट्रांसको वर्किंग ग्रुप

भोपाल। विद्युत क्षेत्र से संबंधित भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल सहित अन्य साइबर सुरक्षा संस्थाओं से प्राप्त एडवाइजरी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में गठित वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक हाल ही में मुख्यालय जबलपुर में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्किंग ग्रुप के सदस्य एडवाइजरी को संबंधित कार्मिकों से समन्वय स्थापित कर, कंपनी के सबसे निचले स्तर तक साझा करेंगे। यह समूह साइबर सुरक्षा के प्रति कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान, केस स्टडीज़ के साझा करने तथा बेहतर साइबर व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य करेगा।

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मिला ग्रेड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा ग्रेड प्रत्ययित होने की महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के यशस्वी नेतृत्व में राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रगति के साथ, शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि हो रही है। विद्यार्थियों के गुणात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने, शोध एवं नवाचारों को बढ़ावा देने, उद्योगजगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की समावेशिता को बढ़ावा देने और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए सतत् कार्य किए जा रहे हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार अपने पुरुषार्थ से नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय का, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरकर, सर्वोत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करना प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। परमार ने कहा कि यह मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुसंधान अनुदान के साथ राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर संस्थागत दृश्यता की नई राहें प्रशस्त होंगी। विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्लेसमेंट एवं रोजगार के लिए नए अवसरों का सृजन होगा।

अब जमा कराना होगा 2 महीने का एडवांस 'बिजली बिल'

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल्द ही आपको बिजली का उपयोग मोबाइल के रिचार्ज की तरह करना पड़ेगा। इसके लिए आपको दो माह की एडवांस राशि जमा कराना होगी। मीटर का रिचार्ज समाप्त होने से पहले सुचारू बिजली के लिए आपको रिचार्ज राशि जमा कराना होगी। अगर आप ऐसा नहीं कर पाए तो आपको अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ेगा। इस व्यवस्था को कंपनी सबसे पहले शासकीय कार्यालय में लागू करने जा रही है। इसके लिए रतलाम वृत को डेढ़ करोड़ की वसूली का लक्ष्य मिला है। इस पर कंपनी ने जिले के शासकीय विभागों की सूची बनाकर उन्हें चिह्नित करना शुरू कर दिया है। बिजली कंपनी के रतलाम वृत्त ने जिले में करीब 600 शासकीय कार्यालयों की सूची तैयार की है। इसके लिए पहले चरण में 64 कार्यालयों को सूचना पत्र जारी किए हैं। इसमें उनसे प्री पेड व्यवस्था के चलते दो माह की राशि एडवांस जमा कराने को कहा गया है।

इस व्यवस्था के तहत सरकारी बिजली कनेक्शनों के संबंधित अधिकारी की सहमति से कोषाधिकारी दो माह का अग्रिम बिल बिजली

कंपनी को प्रदान करेगा। इसके बाद उनके यहां पर प्री-पेड व्यवस्था प्रारंभ की जाएगी। रिचार्ज की राशि समाप्त होने पर बिजली कंपनी के अधिकारी पंद्रह दिन पहले अपडेट की सूचना कोषाधिकारी को देंगे। रतलाम वृत्त में भी बिजली कंपनी प्रीपेड बिजली प्रणाली को लागू करने जा रही है। इसके लिए पहले चरण में 64 विभागों को सूचना पत्र जारी किए हैं। 15 अगस्त के पूर्व विभाग अगर राशि जमा कर देंगे तो उनके यहां पर यह व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी। आकस्मिक सरकारी विभागों को दूसरे चरण में शामिल किया जाएगा।- मनोज शर्मा, अधीक्षण यंत्री, मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी रतलाम वृत्त।

भीड़ से बचने के लिए रेलवे ने उठाया बड़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे बोर्ड ने देश के 73 प्रमुख एवं व्यस्त रेलवे स्टेशनों पर नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत स्टेशन निदेशक को विशेष अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वे त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी निभा सकें। स्टेशन निदेशक अब यात्रियों को ट्रेन आने के समय से काफी पहले प्लेटफार्म पर जाने से रोक सकेंगे। यात्रियों को प्रतीक्षालय में ही रहना होगा। रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ और मुंबई में हुई भगदड़ के अनुभवों से सबक लेते हुए यह निर्णय लिया है। महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली, सूरत

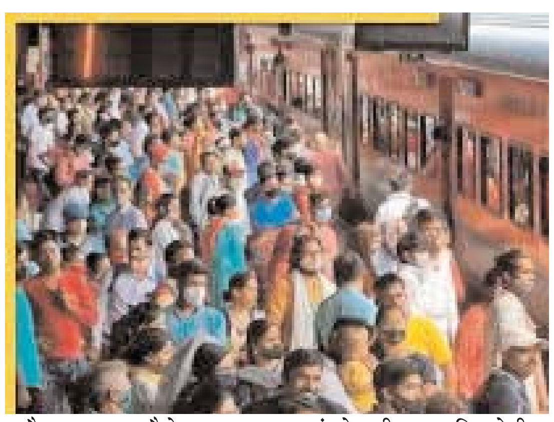

और पटना जैसे प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाकर भीड़ को रोका गया था। अब इस मॉडल को स्थायी रूप दिया जा रहा है। देश के 73 व्यस्त स्टेशनों पर स्थायी प्रतीक्षालय बनाए जाएंगे, जहां से यात्रियों को केवल ट्रेन के आगमन के समय ही प्लेटफार्म तक पहुंचने की अनुमति होगी। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ की स्थिति में स्टेशन निदेशक ट्रेनों की उपलब्धता और क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित कर सकेंगे।

रेलवे की ओर से सभी कर्मचारियों को नई डिजाइन की वर्दी और आइडी कार्ड प्रदान किए जाएंगे, जिससे किसी भी आपात स्थिति में उनकी पहचान सरल हो सके। स्टेशन परिसर में अब केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश मिलेगा, जिसके लिए नया आइडी कार्ड सिस्टम लागू किया जा रहा है। भीड़ प्रबंधन एवं समन्वय को तेज और प्रभावी बनाने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर वार रूम बनाए जाएंगे। इनमें रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी एक साथ बैठकर काम करेंगे, ताकि किसी भी संकट या भीड़भाड़ की स्थिति में त्वरित निर्णय लिए जा सकें। इस व्यवस्था को नई दिल्ली, आनंद विहार, अयोध्या, वाराणसी और गाजियाबाद स्टेशनों पर प्रायोगिक तौर पर लागू किया गया है।

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों के नहीं होंगे रजिस्ट्रेशन सहित सभी काम, जारी हुआ नया आदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आदेश के बाद भी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगवाने वाले वाहन मालिकों के विरुद्ध सख्ती की तैयारी है। पुरानी नंबर प्लेट वाले वाहनों की सभी सेवाएं बंद कर दी जाएंगी।

इसमें डुप्लीकेट पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करना, पंजीयन प्रमाण पत्र में पता बदलना, शुल्क देकर पंजीयन कार्ड का विवरण देखना, वाहन का मालिकाना हक किसी और को हस्तांतरित करना, पंजीयन निरस्तीकरण,

डुप्लीकेट फिटनेस प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं शामिल हैं। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा है। पीयूसी प्रमाण पत्र भी बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के जारी नहीं होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक अप्रैल, 2019 के बाद पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) डीलर के यहां से ही लगाना अनिवार्य किया है। उसके बाद से सभी वाहनों में एचएसआरपी लगाए गए हैं, पर सभी डीलर्स द्वारा मैनजमेंट इन्फारमेशन सिस्टम (एमआइएस) पोर्टल पर वाहनों का डाटा दर्ज करने में ढिलाई की जा रही है।

इसके अलावा, अप्रैल, 2019 के पहले पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी लगाने की स्थिति भी ठीक नहीं है। प्रदेश में इसके पहले के पंजीकृत सभी प्रकार के 50 लाख से अधिक वाहनों में से लगभग आधे में यानी 25 लाख में एचएसआरपी नहीं लगे हैं।

मध्य प्रदेश में चलेगा हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता-स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान तीन चरणों में चलाया जाएगा। केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है, जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता के संकल्प के साथ जोड़ा गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित

जल आपूर्ति, प्रभावी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को बल मिलेगा। इस संबंध में मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने संभागायुक्तों व कलेक्टरों सहित विभागों को निर्देश जारी किए हैं। अभियान में स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल सेवा समितियों, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, साथ ही स्कूली बच्चों, स्वयं-सेवकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस अभियान का नेतृत्व करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

अभियान में स्वच्छ भारत मिशन (एसवीएम-जी) और जल-जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत गांवों, ग्राम पंचायतों में स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञाएं, सामुदायिक सफाई अभियान, परिसंपत्तियों की सफाई, जागरूकता गतिविधियां, जल-संरक्षण और 15 अगस्त को अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थानों आदि सहित प्रमुख वाश अवसंरचना स्थलों पर ध्वजारोहण समारोह किया जाएगा। प्रथम चरण- दो से आठ अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केंद्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएं आयोजित की जाएंगी।

रायसेन के उमरिया में रेल कोच बनाएगी बीईएमएल, 10 अगस्त को राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव करेंगे भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रायसेन जिले के उमरिया में रेल कोच का निर्माण होगा। बेंगलुरु की भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) लिमिटेड कंपनी 60 हेक्टेयर भूमि पर रेल कोच इकाई स्थापित करेगी। इस इकाई का 10 अगस्त को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भूमिपूजन करेंगे। इनके साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव व रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कुल 1800 करोड़ का निवेश कर स्थापित की जाने वाली इस इकाई से 1575 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। बीईएमएल को 60 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपये प्रति एकड़ की दर से 23 मई 2025 को आवंटित की गई थी। जिले में रेल कोच निर्माण इकाई प्रारंभ होने से स्थानीय युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। बेंगलुरु स्थित बीईएमएल विभिन्न प्रकार के भारी उपकरण जैसे अर्थमूविंग, परिवहन, रेलवे और खनन उपकरण बनाती है। यह कंपनी एशिया में अर्थ मूविंग उपकरणों का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। मप्र में यह कंपनी वंदे भारत कोच भी बनाएगी। इस आयोजन की तैयारी को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मेसर्स बीईएमएल लिमिटेड बैंगलुरु के चेयरमेन, मैनेजिंग डायरेक्टर शांतनु राय, निदेशक रेल एवं मेट्रो राजीव गुप्ता, महाप्रबंधक बीईएमएल चंद्रशेखर और ईडी ओपी सिंह ने सौजन्य भेंट की है।

मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि बीईएमएल द्वारा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, रायसेन जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ संपर्क कर रायसेन जिले की गौहरगंज तहसील के ग्राम उमरिया में अत्याधुनिक रेल कोच फैक्ट्री के शिलान्यास की आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इकाई को आवंटित शासकीय भूमि को रेल लाइन से जोड़ने के लिए अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।

स्विमिंग पूल निर्माण में अनियमितता के प्रकरण पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे ने बुरहानपुर नगर निगम में स्विमिंग पूल निर्माण कार्य में पाई गई अनियमितताओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने आयुक्त नगर निगम बुरहानपुर को निर्देशित किया है कि उक्त प्रकरण में संदिग्ध पाए गए सेवानिवृत्त उपयंत्री श्री सगीर अहमद एवं उपयंत्री श्री अमित गंगराड़े से जांच में पूर्ण सहयोग प्राप्त किया जाए। दोनों से यह अपेक्षा की गई है कि वे निर्धारित समयावधि में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

नगरीय प्रशासन आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि उक्त अधिकारी जांच में अपेक्षित सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच प्रक्रिया को एकपक्षीय रूप से आगे बढ़ाया जाये। इसी क्रम में, नगर निगम बुरहानपुर में वर्तमान में पदस्थ उपयंत्री अशोक पाटिल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। आयुक्त श्री भोंडवे का कहा है कि नगरीय कार्यों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शासकीय चिकित्सालय से शव को घर तक नि:शुल्क पहुंचाने, जिले को मिले 2 शव वाहन

डॉ राजेश मिश्रा ने दोनों शव वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सीधी जिले को दो शव वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। रविवार दिनांक 3 अगस्त 2025 को राज्य से प्राप्त दोनों शव वाहनों को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने जिला चिकित्सालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सराहनीय पहल की गई है। प्रदेश में राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय संस्था में रोगी अथवा दुर्घटना पीड़ित के उपचार के दौरान मृत्यु उपरांत मृतक को निवास स्थल, श्मशान घाट तक नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से शववाहन सेवा का

संचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इससे गरीब परिवारों को अनावश्यक भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ वाहनों के संचालन के निर्देश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे ने बताया परियोजना अंतर्गत शव वाहन द्वारा शासकीय अस्पताल से मृतक के निवास स्थल, शमशान घाट तक नि:शुल्क परिवहन किये जाने हेतु पात्रता निर्धारित है, शव वाहन का संचालन केवल जिले की सीमा के अंदर किया जायेगा। निजी चिकित्सालयों, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शववाहन उपलब्ध कराये जाने की पात्रता नहीं होगी।

इस अवसर पर समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान, अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, सिविल सर्जन डॉ एस.बी. खरे, चिकित्सक गण एवं अस्पताल कर्मी सहित बड़ी संख्या में जनसामान्य उपस्थित रहे।

सांप काटने से पति-पत्नी की मौत, घायल अवस्था में पत्नी ने पड़ोसी को बताया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के कोठीताल गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां सोते समय जहरीले सांप के काटने से एक पति-पत्नी की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान 23 वर्षीय ईश्वरभान पलिहा और उनकी 20 वर्षीय पत्नी सुषमा पलिहा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों घर में सो रहे थे जब जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। सांप के काटने से पति बेहोश हो गया। जब पत्नी को होश आया तो उसने पति को जगाने की कोशिश की। लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुका था। इसके बाद पत्नी ने घर के बगल में रह रहे अपने रिश्तेदार को इसकी जानकारी दी।

परिजन दोनों को निजी वाहन से जैतपुर अस्पताल ले गए। वहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

परिजनों के अनुसार, ईश्वरभान का विवाह सुषमा के साथ पिछले वर्ष ही हुआ था। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भी इसी कोठीताल गांव में जहरीले कीड़े के काटने से तीन लोगों की मौत हुई थी। यह गांव चारों तरफ से जंगलों से घिरा है, जिसके कारण आसपास कई जहरीले कीड़े और सांप पाए जाते हैं।

ब्यौहारी से सरसी जा रही यात्री बस पलटी, चालक समेत 7 घायल; एक गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पपौंध थाना क्षेत्र के निपानिया वन चौकी के पास शनिवार रात एक यात्री बस पलट गई। हादसे में बस चालक समेत 7 लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक की स्थिति गंभीर है। रात करीब 10:30 बजे दीपक कंपनी की बस ब्यौहारी से सरसी गांव जा रही थी। निपानिया वन चौकी के पास टर्निंग पर चालक ने बस को सड़क से उतार दिया। इससे बस का अगला पहिया मिट्टी में फंस गया। वाहन बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गया। घटना के समय हल्की बारिश हो रही थी। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

थाना प्रभारी पपौंध बृजेंद्र मिश्रा अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। बस में करीब 18 यात्री सवार थे, जिनमें से 7 लोगों को चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक गंभीर रूप से घायल यात्री को सिविल अस्पताल भेजा गया है। हादसे में बस चालक भी घायल हुआ है। बचाव कार्य के बाद पुलिस ने जेसीबी की सहायता से बस को मौके से हटाया। पुलिस के अनुसार, बारिश के कारण बचाव कार्य में कुछ कठिनाइयां आईं।

16 महीने में 10 पंचायत सचिव बदले, खटाई गांव में 3 दिन में नए सचिव को हटाया; सरपंच का राजनीति करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की खटाई ग्राम पंचायत में पिछले 16 महीने में रिकॉर्ड 10 बार पंचायत सचिव बदले गए हैं। यह मध्य प्रदेश की एकमात्र ऐसी पंचायत है, जहां मार्च 2023 से अब तक इतनी बार सचिवों का फेरबदल हुआ है। सचिवों के बार-बार तबादले से पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गए हैं। इससे सरपंच और ग्रामीणों में जिला पंचायत सीईओ की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। जनपद पंचायत क्षेत्र चितरंगी के ग्राम पंचायत खटाई की सरपंच हिरामन देवी साहू ने बताया कि इस पंचायत में मार्च 2023 से अब तक 10 बार

पंचायत सचिव बदले जा चुके हैं।

तीन दिन में किया ट्रांसफर: सरपंच ने बताया कि जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उईके के निर्देश और अनुमोदन के बाद 28 जुलाई को अरविंद कुमार शर्मा का बोदाखूंटा पंचायत से खटाई और भगवान सिंह का खटाई पंचायत से कोरसर कोठार के लिए तबादला किया था। लेकिन तीन दिन बाद जिला पंचायत सीईओ ने इस आदेश को निरस्त कर भगवान सिंह को यथावत खटाई में ही रखने का निर्णय लिया। सरपंच का आरोप है कि इतनी जल्दी तबादला निरस्त करने के पीछे राजनीतिक हस्तक्षेप है।

सचिव के माध्यम से पंचायत में दखल का प्रयास: हिरामन देवी साहू ने यह भी आरोप लगाया कि जब से वह सरपंच बनी हैं, तब से पंचायत के कुछ लोगों को यह बात नागवार गुजर रही है। उन्होंने कहा कि उन पर कोई दबाव नहीं है, लेकिन सचिव के माध्यम से पंचायत में दखल देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सचिवों के लगातार बदलने से प्रशासनिक कार्य में अस्थिरता आई है और योजनाओं का क्रियान्वयन बाधित हो रहा है। सरपंच ने आगे कहा कि सचिव भगवान सिंह पूर्व में सात वर्षों तक पदस्थ थे। उस दौरान लाखों रुपए की अनियमितता की गई है।

जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र में जेसीबी वाहन की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे सिंगरौलिया-हीरवाह मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास के सामने हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान शासकीय विद्यालय मकरोहर में पदस्थ शिक्षक रामचंद्र गणेशीय के रूप में हुई है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद जेसीबी का बकेट उनके सिर पर लगा, जिससे सिर बुरी तरह फट गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रामचंद्र गणेशीय छत्तीसगढ़ के जयपुर जिले के रहने वाले थे।

चालक फरार, पुलिस ने जेसीबी जब्त की: हादसे की सूचना मिलने पर बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हीरवाह पुलिया के ठीक पहले सड़क पर मोटरसाइकिल के पास ही शिक्षक का शव मिला। हादसे के बाद जेसीबी चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने जेसीबी को जब्त कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

नगर निगम नहीं करा रहा सड़क की मरम्मत: स्थानीय निवासी बृजेश कुमार शुक्ला ने इस हादसे का कारण सड़क पर बने गहरे गड्ढों को बताया। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद इस सड़क की हालत और भी खराब हो गई है, जिसकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। यह मुख्य मार्ग बैढ़न शहर को सिंगरौली एयरपोर्ट से भी जोड़ता है, लेकिन नगर निगम प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

पुल के ऊपर बह रहा नदी का पानी, कई वाहन और ट्यूशन जा रही बच्चियां फंसी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के गोपदबनास तहसील के चौपाल कोठार गांव में रविवार को दोपहर तेज बारिश के बाद नदी में अचानक बाढ़ आ गई। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। चौपाल कोठार को सीधी मुख्यालय से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क पर बने पुल पर पानी बहने से आवागमन ठप हो गया है। गांव के लोग अब बाहर नहीं निकल पा रहे हैं।

बच्चियां नदी के मुहाने पर फंस गईं: सुबह से रिमझिम बारिश हो रही थी। दोपहर करीब 12 बजे भारी बारिश के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे कई वाहन फंस गए। ट्यूशन जा रही बच्चियां भी नदी के मुहाने पर फंस गईं। ग्रामीणों में डर और बेचैनी का माहौल है।

लोगों से अपील- नदी के किनारे न जाएं: स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है। एसडीएम गोपदबनास नीलेश शर्मा ने बताया, तेज बारिश की वजह से यह स्थिति बनी है। प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। लोगों से अपील की गई है कि वे नदी के किनारे न जाएं। अगर बारिश थम जाती है तो एक घंटे के भीतर जलस्तर सामान्य हो सकता है।

कहां कितना पानी गिरा: मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार चौपाल कोठार क्षेत्र में बीते एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच कुल लगभग 6.63 इंच बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में प्रतिदिन की वर्षा इस प्रकार रही- 27 जुलाई को लगभग 0.49 इंच, 28 जुलाई को 0.85 इंच, 29 जुलाई को 0.40 इंच, 30 जुलाई को 1.33 इंच, 31 जुलाई को सबसे अधिक 1.79 इंच, 1 अगस्त को 0.74 इंच, और 2 अगस्त को 1.03 इंच वर्षा हुई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि 31 जुलाई को वर्षा अपने चरम पर थी, जबकि अन्य दिनों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

आधे जन्मे बच्चे के साथ गर्भवती को भेजा प्राइवेट अस्पताल

पति बोला- सीधी जिला अस्पताल में नहीं किया इलाज, 70 हजार खर्च

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझिगवा गांव निवासी एक महिला सरोज गुप्ता को तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन उन्हें तुरंत मड़वास अस्पताल ले गए। वहां पहुंचने पर बच्चे का आधा हिस्सा गर्भ से बाहर था और आधा अंदर फंसा हुआ था। गंभीर स्थिति देखकर उन्हें जिला अस्पताल सीधी रेफर किया गया।

गंभीर हालत में महिला को न देखने का आरोप: पीड़िता के पति रजनीश गुप्ता ने बताया जिला अस्पताल पहुंचने पर उम्मीद थी कि तुरंत इलाज मिलेगा। लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने महिला की हालत को ठीक से देखा तक नहीं। उन्हें यह कहकर निजी अस्पताल 'श्री नर्सिंग होम' भेज दिया गया कि अगर प्राइवेट में नहीं जाएंगे तो मां और बच्चे दोनों की जान खतरे में पड़ सकती है।

प्राइवेट अस्पताल में खर्च हुए 70 हजार रुपए: मजबूरी में परिजन महिला को मिश्रण नर्सिंग होम ले गए। वहां डिलीवरी हुई लेकिन खर्च लगभग 70 हजार रुपए हो गया। सरकारी अस्पताल की लापरवाही से परेशान परिजनों ने

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी से शिकायत की है।

सीएमएचओ बोले- शिकायत मिलने पर होगी जांच: इस मामले में सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे का कहना है, मुझे अभी इस घटना की जानकारी नहीं है। गंभीर स्थिति में हम मरीजों को संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर करते हैं। कई लोग स्वयं ही प्राइवेट अस्पताल चले जाते हैं। अगर ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ ने निजी अस्पताल भेजने की सलाह दी है तो यह गंभीर मामला है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बीएलओ का पारिश्रमिक दोगुना, ईआरओ और एईआरओ को भी मिलेगा मानदेय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का पारिश्रमिक दोगुना करने का बड़ा फैसला लिया है। इसके साथ ही बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है। आयोग ने पहली बार ईआरओ (निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी) और एईआरओ (सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी) को भी मानदेय देने का निर्णय लिया है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि शुद्ध मतदाता सूचियां लोकतंत्र की नींव हैं। मतदाता सूची तैयार करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षक और बीएलओ निभाते हैं। इनकी मेहनत से ही सटीक और पारदर्शी मतदाता सूचियां तैयार होती हैं। बीएलओ की वार्षिक पारिश्रमिक राशि को 6000 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये कर दिया गया है, जबकि मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बीएलओ को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि अब 1000 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दी गई है। बीएलओ पर्यवेक्षकों का पारिश्रमिक 12000 रुपये से बढ़ाकर 18000 रुपये किया गया है। इसके अलावा ईआरओ को अब 30000 रुपये और एईआरओ को 25000 रुपये का मानदेय मिलेगा। इससे पहले इन्हें कोई मानदेय नहीं दिया जाता था।

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सुकन्या रक्षा अभियान 30 तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने हेतु 30 सितम्बर 2025 तक सुकन्या रक्षा अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ-साथ समाज में बालिकाओं के भविष्य के प्रति जागरूकता बढाना है। अधीक्षक डाकघर प्रदीप कुमार खरे ने बताया कि रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर इस अभियान की शुरूआत की जा रही है।

सिन्धु विकास समिति ने करवाया 6666वा रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हर अच्छा काम समाज को सकारात्मक प्रेरणा देता है इसी क्रम में युवा समाजसेवी एवं मुक्ति क्लब के सक्रिय सदस्य राजेश होतचंदानी की मदद से सिन्धु विकास समिति ने 6666 वा रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा में खून के रिश्तों की नाजिल पेश की। सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तवीरों को उत्साहित करने वाले विनोद गेलानी बताते हैं कि राजेश के ब्लड डोनेशन के साथ ही यहां सर्वाधिक ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बन गया।

रक्तदान करवाने में जय होतचंदानी जेठानंद वाधवानी राखी होतचंदानी एवं सिमरन होतचंदानी का विशेष सहयोग रहा, गेलानी ने कहा दिन हो या रात सुबह हो या शाम समिति के सदस्यों के साथ-साथ सर्व समाज के युवा और मातृशक्ति हर समय स्वैच्छिक रक्तदान के लिए तत्पर रहते हैं।

मध्यप्रदेश में चलेगा "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता- स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश में "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता-स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान तीन चरणों में चलाया जायेगा। प्रथम चरण में 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चायें आयोजित की जाएंगी। साथ ही तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि गतिविधियां संचालित होगी। अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा केसर्ट, तिरंगा बाइक, तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे। अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे। केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है, जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता के संकल्प के साथ जोड़ा गया है। इस प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल आपूर्ति, प्रभावी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को बल मिलेगा।

पंचायतों में होगी विविध गतिविधियाँ: अभियान में स्वच्छ भारत मिशन (एसवीएम-जी) और जल-जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत गांवों, ग्राम पंचायतों में विविध गतिविधियाँ होंगी, जिनमें स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञाएं, सामुदायिक सफाई अभियान, परिसंपत्तियों की सफाई, जागरूकता गतिविधियां, जल-संरक्षण और 15 अगस्त 2025 को अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थानों आदि सहित प्रमुख वाश अवसंरचना स्थलों पर ध्वजारोहण समारोह शामिल है। यह प्रतीकात्मक कार्य सुरक्षित जल और स्वच्छता तक पहुंच द्वारा लाई गई स्वतंत्रता, गरिमा और कल्याण को दर्शाता है। अभियान में ज़िलों, ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इसमें स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल सेवा समितियों, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, साथ ही स्कूली बच्चों, स्वयं-सेवकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस अभियान का नेतृत्व करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जायेगा। व्यापक जनभागीदारी के साथ ही ूणींतहींतजपतंदहंण्बवउ पर झण्डा फहराने की सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अधिकाधिक संख्या में झण्डों की आपूर्ति स्थानीय स्तर से सुनिश्चित की जाये। अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने समस्त संभागायुक्त, कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों को निर्देश जारी किए हैं।

जिले में अब तक 709.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 3 अगस्त 2025 तक 709.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 777 मि.मी., मैहर में 621.1 मि.मी. एवं रामनगर में 730.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 476.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

ठेके पर सड़क सुरक्षा, जवाबदेही गुम क्या विकास में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं?

संपादकीय

देश में बेहतरीन सड़कें बनाने के दावे के बावजूद आज भी कई सड़कें इतनी असुरक्षित क्यों हैं कि उन पर हादसों की आशंका बनी रहती है। कई राज्यों में ऐसी सड़कें हैं, जिनका वर्षों से रखरखाव नहीं हुआ और उन पर सफर करना एक जोखिम से गुजरना है। यह दुखद है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के बावजूद भारत में सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। आज सड़कों पर पैदल चलने वालों तक के लिए जगह नहीं बची है।

दोपहिया चालक अक्सर जोखिम में रहते हैं। सड़क निर्माण में भारतीय कौशल से इनकार नहीं किया जा सकता, बावजूद इसके हमारी सड़कें दुनिया में सबसे खतरनाक हैं, तो इसकी वजह क्या है? सड़कों पर अगर जीवन संकट में पड़ने लगे, तो इसका मतलब है कि जीवन जीने का अधिकार सचमुच खतरे में है। इसी चिंता को चिह्नित करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि वाहन चलाने योग्य सुरक्षित और अच्छे रखरखाव वाली सड़क संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन जीने के अधिकार का एक हिस्सा है।

सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं

दरअसल, अधिकतर राज्यों में लोक निर्माण विभाग खुद सड़कें नहीं बनाता। प्राय: निविदाएं जारी कर ठेकेदारों को जिम्मा सौंप दिया जाता है। नतीजा यह कि सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं।

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और निजी कंपनी के बीच विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि सड़क का जिम्मा निजी ठेकेदार पर छोड़ने के बजाय सरकार को यह काम सीधे अपने नियंत्रण में रखना चाहिए।

सड़कें जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं, तो इसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण और इसकी समुचित देखरेख निस्संदेह सरकार का दायित्व है। आज जिस तरह सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ा है, इसे देखते हुए सड़कों की देखभाल की जरूरत स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। मानवीय भूल अपनी जगह हैं, लेकिन कई स्थानों पर यातायात संकेतक न होने और सड़कों पर दरारें पड़ने और धंसाव ने भी समस्या बढ़ाई है। सड़कों के निर्माण में अधिकतर त्रुटियां खराब अभियांत्रिकी के कारण ही सामने आई हैं। जरूरत इस बात की है कि नागरिकों के जीवन जीने के अधिकार को बिना किसी बाधा के सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करे।

क्या स्कूल भवन के कमजोर और जर्जर होने की जानकारी शिक्षकों और प्रबंधन को नहीं थी; लापरवाही से हुई सात बच्चों की मौत

सुनील सिंह

विद्यालय में शिक्षक बच्चों को सीख देते हैं कि उन्हें अपना कार्य पूरी लगन, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। मगर, राजस्थान में झालावाड़ के पिपलोदी गांव स्थित सरकारी विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन खुद अपनी जिम्मेदारी भूल गए और जर्जर भवन का एक हिस्सा ढहने से कई घरों के चिराग बुझ गए। हादसे में सात मासूमों की जान चली गई। इस दुखद घटना ने ग्रामीण इलाकों में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे की स्थिति और व्यवस्थागत प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को इस बात की जानकारी नहीं थी कि भवन का यह हिस्सा जर्जर हो चुका है और यहां कक्षाएं संचालित करना हादसे को न्योता देना है? अगर सब मालूम था तो ऐसा जोखिम उठाने की क्या वजह रही? पीड़ित परिवार की पीड़ा इन सवालों के जवाब ढूंढ़ रही है।

झालावाड़ के जिला अधिकारी का कहना है कि प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने का निर्देश दिया था, लेकिन इस विद्यालय का भवन सूची में शामिल नहीं था। जब यह हादसा हो गया तो प्रशासन ने इस भवन के दूसरे हिस्से को भी गिरा दिया, ताकि वहां गलती से भी कक्षाएं संचालित न की जाएं। यही नहीं, राज्य सरकार ने अब विद्यालयों की तमाम इमारतों का सुरक्षा सर्वेक्षण कराने के निर्देश भी दिए हैं। मगर, सवाल है कि शासन-प्रशासन की ओर से ऐसी सतर्कता किसी हादसे के बाद ही क्यों दिखाई देती है?

क्या ऐसी लापरवाही इसलिए बदस्तूर चलती रहती है कि ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आमतौर पर समाज के हाशिये के तबके से आते हैं? अगर जिला अधिकारी की ओर से कोई निर्देश दिया जाता है तो उस पर अमल सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? यह हादसा सिर्फ एक बानगी है, देशभर में न जाने कितने विद्यालय जर्जर इमारतों में संचालित हो रहे हैं। राज्य सरकारों को चाहिए कि ऐसी इमारतों की पहचान कर उन्हें असुरक्षित घोषित किया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यालयों में बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो।

सदन में बहस जारी है

गुरमीत

अब सोचिए, बहस अगर सदन में नहीं होगी तो क्या गली-कूचों में होगी? गली-कूचों में बहस हुई तो मामला लंबा खिंच सकता है। बहस बढ़ते-बढ़ते पत्थरबाजी तक पहुंच सकती है, लाठी-डंडे भी चल सकते हैं, कुछ सिर फूट सकते हैं। प्रशासन को कर्फ्यू लगाना पड़ सकता है, सुरक्षा बलों को फ्लैग मार्च निकालना पड़ सकता है, धर्माचार्यों को शांति की अपील करनी पड़ सकती है। और सबसे बड़ी बात, गली-कूचों की बहस में कोई रिकॉर्ड नहीं रहता कि किसने क्या कहा। इसके मुकाबले सदन की बहस बहुत सुरक्षित होती है। वहां सब रिकॉर्ड पर रहता है, लाइव प्रसारण होता है, माननीय सदस्य पूरे जोश से बोलते हैं। अगर बहस में कोई शब्द 'अनुचित' निकल भी जाए तो उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाता है। किसी को लाठीचार्ज नहीं सहना पड़ता, न किसी को जेल जाना पड़ता है, न ही कर्फ्यू लगाना पड़ता है। सदन की बहस में शामिल होने वाले वे माननीय सदस्य होते हैं जिन्हें जनता ने अपने वोटों से चुनकर भेजा होता है। इन्हें बहस करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। अब आप ही बताइए, ये अगर सदन में बहस नहीं करेंगे तो क्या करेंगे? क्या गिल्ली-डंडा खेलेंगे? क्या चाय-पकौड़े खाने बैठेंगे? क्या किटी पार्टी करेंगे? सदन बहस के लिए सबसे उपयुक्त मंच है। बहस वहीं होनी चाहिए क्योंकि यही बहस का घर है। अगर सदन में बहस नहीं होगी तो दुनिया को कैसे पता चलेगा कि सदन सच में चल रहा है? लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सदन की बहस महज बहस ही न रह जाए। कई बार लगता है

सदस्यों का असली मकसद समस्या सुलझाना नहीं, कैमरे की तरफ मुखातिब होकर माइक में गरजना होता है। आवाज जितनी ऊंची, टीवी पर चेहरा उतना ज्यादा। जनता को भले ही न लगे कि समस्या सुलझ गई, पर यह जरूर लगे कि उनके नेता ने दिल खोलकर गरज लगाई है। कभी-कभी तो लगता है कि बहस से ज्यादा जोर मेजें पीटने पर है।

माननीय सदस्य अपनी टेबलें ऐसे ठोकते हैं जैसे किसी बैंड-बाजे की प्रैक्टिस चल रही हो। किसी के पास ठोस तर्क न हो तो वह टेबल पीटकर अपना पक्ष मजबूत कर लेता है। कुछ सदस्य बहस के दौरान इतने उत्साही हो जाते हैं कि वे यह भूल जाते हैं कि यह सदन है, पहलवानी का अखाड़ा नहीं। किसी की तरफ उंगली उठाना, गुस्से में माइक खींचना, कागज उछालना- यह सब सदन की पारंपरिक कला में शामिल हो चुका है। बहस चलती रहती है। बीच में स्पीकर साहब शांत रहिए, बैठ जाइए, कृपया व्यवस्था बनाए रखें जैसे वाक्य दोहराते रहते हैं। कभी-कभी लगता है उनका असली काम बहस करवाना नहीं, व्यवस्था बनाए रखने के लिए विनती करते रहना है। और बहस का नतीजा? खैर, नतीजा ढूंढ़ने की कोशिश न करें। बहस का मकसद नतीजा निकालना कब से हो गया? मकसद तो बहस को बहस बनाए रखना है। वैसे भी नतीजा आने लगे तो अगली बैठक में बहस किस बात पर करेंगे? बहस जारी रहनी चाहिए क्योंकि यह बहस ही है जो हमें यह यकीन दिलाती है कि लोकतंत्र जीवित है।

जनता को यही दिखाना जरूरी है कि माननीय सदस्य दिन-रात जनता के मुद्दों पर बहस कर रहे हैं। चाहे मुद्दे वही पुराने हों- महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, या वही घिसी-पिटी बहसें कि 'आपके समय में क्या हुआ था' और 'आपके समय में तो उससे भी बुरा हुआ था।' कभी-कभी बहस इतनी लंबी खिंच जाती है कि जनता को लगने लगता है यह शायद कोई रियलिटी शो है। बस अंतर यह है कि यहां वोट देने के लिए एसएमएस नहीं करना पड़ता, अगला चुनाव आने तक इंतजार करना पड़ता है। लेकिन जनता खुश रहे। बहस जारी रहे। टीवी चैनलों को मसाला मिलता रहे। सोशल मीडिया पर क्लिप्स वायरल होती रहें। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत है। इसलिए जरूरी है कि बहस जारी रहे। बहस जितनी लंबी खिंचे, उतना अच्छा। चाहे मुद्दा हल हो या न हो, लेकिन टीवी पर बहस की आग जलती रहे, ताकि जनता को भी लगे कि देश की दिशा तय की जा रही है। वरना देश चल भी रहा है या नहीं, यह बताने वाला कौन होगा? बहस जारी है, और रहेगी भी, क्योंकि बहस खत्म हुई तो अगला चुनाव किस मुद्दे पर लड़ा जाएगा?

भारत दे रहा मालदीव को 4,850 करोड़ की मदद!

बीते लगभग दो वर्षों के दौरान तेज उतार-चढ़ाव के बाद भारत और मालदीव के संबंधों में जो नई गर्मजोशी देखी जा रही है, उसे दोनों देशों के अतीत के मजबूत सहयोग को फिर से नया स्वरूप देने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माले यात्रा के दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा देने की घोषणा की और जल्दी ही एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी।

इसके अलावा, दोनों पक्षों ने मत्स्य पालन और कृषि, मौसम विज्ञान, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, यूपीआइ, भारतीय 'फार्माकोपिया' और ऋण सुविधा के क्षेत्र में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए हुई व्यापक वार्ता से यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत और मालदीव के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। खासतौर पर भारत ने मालदीव के सामने जिस स्तर का धीरज दिखाया और अब भरोसे की दोस्ती को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है, वह मालदीव के लिए भी सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करेगा।

कुछ महीने पहले राष्ट्रपति मुइज्जू के रुख से कड़वाहट पैदा हो गई थी- दरअसल, इस संदर्भ में सहयोग के नए सिरे खुलने की अहमियत इसलिए भी है कि ज्यादा दिन नहीं बीते हैं जब एक बेमानी मुद्दे पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के रुख ने दोनों देशों के बीच नाहक ही एक कड़वाहट पैदा कर दी थी। तब मालदीव की ओर से भारत विरोधी कई बयान दिए गए थे और भारतीय सेना की उपस्थिति पर आपत्ति जताई गई थी।

स्थिति ऐसी थी कि अगर भारत ने धीरज नहीं दिखाया होता तो तस्वीर दूसरी होती। मालदीव के अप्रत्याशित रुख के बावजूद भारत ने अपनी ओर से उसकी सहायता के दरवाजे बंद नहीं किए। नतीजा यह निकला कि कुछ समय बाद मालदीव को अपने रुख पर फिर से विचार करना पड़ा और आखिर उसकी ओर से संबंध सुधारने की दिशा में पहलकदमी हुई। हालांकि उस समय भी एक तरह से यह साफ था कि मालदीव की ओर से उठाए जाने वाले नाहक सवालों पर चीन का प्रभाव काम कर रहा था। खुद राष्ट्रपति मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। संभव है कि उस समय किन्हीं वजहों से मालदीव की सरकार को भविष्य में पैदा होने वाली परिस्थितियों के बारे में आकलन में हड़बड़ी हुई हो। मगर अब उसके रुख में बदलाव एक बेहतर भविष्य की राह खोल सकता है। पर्यटन मालदीव की अर्थव्यवस्था का एक सबसे बड़ा आधार है। वहां सबसे ज्यादा भारत और चीन के पर्यटक जाते रहे हैं। मगर विवाद के हालात पैदा होने के बाद भारत की ओर से कई पर्यटकों ने मालदीव न जाने को लेकर अभियान चलाया था। जाहिर है, अगर तनाव का वह रास्ता आगे की ओर बढ़ता, तो मालदीव के सामने नई आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती थीं। चीन के बारे में अब सभी जानते हैं कि वह किसी देश की मदद के संदर्भ में भी सबसे पहले अपना हित ही सुनिश्चित करता है। उसकी नजर में हिंद महासागर में मालदीव शक्ति संतुलन में एक बड़ी भूमिका निभाता है। वहीं, चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी को कायम रखना बेहद अहम है। हालांकि भारत परस्पर सहयोग और सद्भावना को प्रमुखता देने वाला देश रहा है। यही कारण है कि भारत ने मालदीव को पर्याप्त महत्त्व दिया है और शायद अब मालदीव को इसकी अहमियत समझ में आ रही है।

राजनीति में भद्रता की मिसाल थे अरुण जेटली

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए चौकीदार चोर है वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं। राहुल गांधी ने स्वर्गीय पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पर जो आरोप लगाये हैं वह बेहद निचले स्तर की राजनीति है। राहुल गांधी अमीर घराने से जरूर हैं लेकिन सभ्यता के मामले में बेहद गरीब हैं क्योंकि वह यह सामान्य-सी बात भी नहीं जानते कि हमारे धर्म और संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि स्वर्गीय व्यक्ति के प्रति कभी भी अनादर नहीं प्रकट करना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख के खिलाफ रचे गए कांग्रेसी षड्यंत्रों से उपजते सवाल

कमलेश पांडे

ऐसा इसलिए कि कांग्रेस के जड़विहीन व खुराफाती रणनीतिकारों यथा- तत्कालीन गृह मंत्री पी.चिदम्बरम, महाराष्ट्र के पार्टी नेता सुशील कुमार शिंदे और तत्कालीन गृह सचिव आर के सिंह आदि ने यूपीए संयोजिका और कांग्रेस सुप्रीमो श्रीमती सोनिया गांधी, जो इटालियन ईसाई मूल की भारतीय भारतीय बहू हैं, को प्रसन्न करने के लिए जिस हिन्दू आतंकवाद या भगवा आतंकवाद की अवधारणा दी और इसी बहाने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करवाने की जो घृणित चाल चली, वही 5 साल बाद कांग्रेसी सत्ता की ताबूत के लिए अंतिम कील साबित हुई। लिहाजा, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ रचे गए कांग्रेसी षड्यंत्रों से कुछ महत्वपूर्ण सवाल उपजते हैं, जिसका समुचित जवाब तलाशे जाने की जरूरत है। वहीं, यदि इस मामले के षडयंत्रकारियों को न्याय के कठघड़े में लाया जा सका, तो यह बहुत बड़ी बात होगी।

वहीं, राजनीतिक परिदृश्य इस बात की चुगली करता है कि मालेगांव बम विस्फोट कांड की भटकाई गई जांच के बाद से कांग्रेस कभी केंद्रीय सत्ता में नहीं लौट पाई। साल 2014, 2019 और 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाले पहले यूपीए और अब इंडिया गठबंधन को भारतीय हिन्दुओं ने लगभग खारिज कर दिया। समझा जाता है कि तब सुरसा मुख की भांति फैलते जा रहे इस्लामिक आतंकवाद से देशवासियों का ध्यान भटकाने के लिये कांग्रेसियों ने यह सियासी षड्यंत्र रचा था। लेकिन इस भगवा आतंकवाद या हिन्दू आतंकवाद की अवधारणा के लगभग डेढ़ दशक बाद जो महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं, वो बेहद चौंकाने वाले। इससे कांग्रेस की बची हुई सियासी साख भी मिट्टी में मिल सकती है।

दरअसल, इस विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा रहे पुलिस इंस्पेक्टर महबूब मुजावर ने एक सनसनीखेज दावा किया है कि साल 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में जांच के दौरान महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। यही नहीं,

मालेगांव बम विस्फोट जांच को गलत दिशा में ले जाने का सियासी प्रयास किया गया और इस घृणित योजना पर आपत्ति जताने पर उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए। देखा जाए तो यह बहुत ही गम्भीर आरोप है और इसके दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

बता दें कि पूर्व एटीएस अधिकारी की तजव टिप्पणी मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को इस आधार पर बरी करने के एक दिन बाद आई है कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। सवाल है कि सबूत आखिर हो भी कैसे, क्योंकि यह एक पूर्वनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है और इसके प्रायोजकों ने पहले ही सबूत नष्ट कर दिए, ताकि लक्षित लोगों या उनके समूह को फंसाया जा सके। कहने का तातपर्य भाजपा नेताओं और आरएसएस कार्यकर्ताओं को, जैसा कि बाद के प्रकरणों से साबित भी हुआ।

उल्लेखनीय है कि 29 सितम्बर 2008 को मुम्बई से लगभग 300 किलोमीटर दूर मालेगांव के एक व्यस्त बाजार में मोटरसाइकिल में रखे बम के फटने से छह लोग मारे गए थे। प्रारम्भ में महाराष्ट्र एटीएस ने इस विस्फोट की जांच की, जिसके बाद इसे देश की शीर्ष आतंकवाद-रोधी संस्था राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। इसी सिलसिले में शामिल रहे मुजावर ने बताया कि, वरिष्ठों ने आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत की गिरफ़्तारी का आदेश दिया था। बता दें कि श्री भागवत मार्च 2009 में ही आरएसएस प्रमुख बने थे। उन्होंने आगे यह भी कहा कि, मालेगांव विस्फोट के तत्कालीन मुख्य जाँच अधिकारी परमबीर सिंह ने मुझे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया था।

उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि, मोहन भागवत को इस मामले में शामिल किया जा रहा था ताकि इसे भगवा आतंकवाद का मामला बनाया जा सके। बताते चलें कि भाजपा ने पहले भी आरोप लगाया है कि इस मामले की जाँच दक्षिणपंथी नेताओं को बदनाम करने और फंसाने तथा हिंदू समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से की गई थी। वहीं, मुजावर ने यहां तक कहा कि, मालेगांव बम विस्फोट की फर्जी जांच की कोशिश की गई थी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार नहीं था। लिहाजा इस मामले में मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन बाद में मेरा नाम साफ हो गया।

उन्होंने यहां तक कहा कि राज्य की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस मामले में तत्कालीन अधिकारियों पर दबाव डाला होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस मामले की गोपनीय जानकारी की थी। उन्होंने कहा, मैं अपनी सेवा कर रहा था। मुझे पता था कि ये बातें झूठी हैं, इसलिए मेरे खिलाफ मामले दर्ज किए गए। गौरतलब है कि राजनीतिक नाफरमानी की वजह से मनगढ़ंत आरोप लगाकर श्री मुजावर को तत्कालीन राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था। इधर, उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठीक ही कहा है कि, 2008 की मालेगांव साजिश का पर्दाफाश हो गया है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़े थे।

बस्तर जिला को राज्य स्तर पर आकांक्षी जिला का गोल्ड और आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल को कांस्य पदक मिला

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर हरिस एस और पूर्व कलेक्टर विजय दयाराम को दिया पदक

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला और ब्लॉक का संपूर्णता अभियान के तहत चिन्हांकित 6 सूचकांकों में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए बस्तर जिला को राज्य स्तर पर आकांक्षी जिला का गोल्ड पदक प्रदान किया गया। इसके अलावा आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल विकासखंड को कांस्य पदक दिया गया है । रायपुर स्थित सर्किट हाऊस के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के द्वारा कलेक्टर श्री हरिस एस और पूर्व कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने पुरुस्कार ग्रहण किया । कलेक्टर श्री हरिस एस ने बताया कि नीति आयोग के द्वारा आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखण्ड के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान 4 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 संचालित किया गया था। जिसका मुख्य उददेश्य 6 सूचकांकों में सम्पूर्णता प्राप्त करना था। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत 6 इंडिकेटर में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करना था। सम्पूर्णता अभियान के तहत कृषि विभाग द्वारा 8500

किसानों का स्वाईल हेल्थ कार्ड बनाकर वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सातों विकासखण्डों में एएनसी पंजीयन के तहत 1922 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया। शिशुओं का शत- प्रतिशत् टीकाकरण के तहत सातों विकासखण्डों से 1801 शिशुओं का टीकाकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा पूरक पोषण के तहत जिलें के 7894 को पूरक पोषण आहार उपलब्ध करवाया गया। साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा 177 स्कूलों में विद्युत व्यवस्था सुनिश्यिचत की गई और समग्र शिक्षा के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों का वितरण सुनिश्चित किया गया । इस सम्पूर्णता अभियान के सफल संचालन के लिए सकारात्मक परिणाम के साथ हमने बस्तर जिले में महत्वपूर्ण चरण को पूरा किया है। इस अवधि में सभी 6 इंडिकेटर पर कार्य करते हुए ग्रामीण एवं अंदरूनी क्षेत्र मे लाभार्थियों को सेवा प्रदान किया गया। पंचायत विभाग ने कार्यो के क्रियान्वयन करवाने प्रमुख भूमिका निभाई। सभी विभागों के प्रयास से और जनभागीदारी से लक्ष्य को प्राप्त किया गया है और यह निरंतर जारी रहेगा। बस्तर जिला को आकांक्षी जिला के तहत् राज्य में गोल्ड तथा आकांक्षी ब्लॉक के तहत तोकापाल को कांस्य पदक मिला है। ज्ञात हो कि जनवरी 2018 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) का उद्देश्य देश भर के 112 सबसे कम विकसित जिलों का त्वरित और प्रभावी रूप से कायाकल्प करना है। इस कार्यक्रम की व्यापक रूपरेखा में अभिसरण (केंद्रीय और राज्य योजनाओं का), सहयोग (केंद्रीय, राज्य स्तरीय नोडल अधिकारियों और जिला कलेक्टरों का), और मासिक डेल्टा रैंकिंग के माध्यम से जिलों के बीच प्रतिस्पर्धा शामिल है; ये सभी एक जन आंदोलन द्वारा संचालित हैं। राज्यों को मुख्य संचालक मानते हुए, यह कार्यक्रम प्रत्येक ज़िले की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करता है, तत्काल सुधार के लिए आवश्यक कार्यों की पहचान करता है और मासिक आधार पर ज़िलों की रैंकिंग करके प्रगति को मापता है। यह रैंकिंग 5 व्यापक सामाजिक-आर्थिक विषयों - स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास और बुनियादी ढाँचे - के अंतर्गत 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में हुई वृद्धिशील प्रगति पर आधारित है। आकांक्षी ज़िलों की डेल्टा रैंकिंग और सभी ज़िलों का प्रदर्शन चैंपियंस ऑफ़ चेंज डैशबोर्ड पर उपलब्ध है। सरकार अपने नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सभी के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है - सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। उनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, यह कार्यक्रम लोगों की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पूर्ण भागीदारी की क्षमता में सुधार लाने पर केंद्रित है।

सांसद महेश कश्यप का जगदलपुर में भव्य स्वागत,संसद में बस्तर के मुद्दों को मजबूती से रखने पर जनता व भाजपाईयों ने जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। बस्तर की पावन धरती पर सांसद महेश कश्यप का आगमन माँ दंतेश्वरी विमानतल, जगदलपुर में हुआ। इस अवसर पर उनके स्वागत हेतु बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, भाजपा के पदाधिकारीगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में स्वागत-सत्कार की गर्मजोशी और बस्तर के भविष्य के प्रति आशा का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था। सांसद महेश कश्यप ने हाल ही में संसद के सत्र के दौरान बस्तर अंचल के हित में अनेक महत्वपूर्ण विषयों को जोरदार तरीके से उठाया, जिससे न केवल बस्तर की आवाज़ राष्ट्रीय स्तर तक पहुँची, बल्कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में गंभीर विमर्श भी प्रारंभ हुआ है। उन्होंने बस्तर के आदिवासी समाज की अस्मिता, युवा पीढ़ी की शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं को संसद पटल पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

उन्होंने विशेष रूप से बस्तर के छात्रावासों और पोटाकेबिनों की जर्जर स्थिति की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया और इनके सुधार तथा संचालन में पारदर्शिता की माँग की। साथ ही रावघाट रेललाइन परियोजना को शीघ्र प्रारंभ किए जाने और इस रेललाइन को सुकमा तक विस्तार देने की माँग भी उन्होंने मजबूती से रखी, जिससे बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों का भी राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ाव सुनिश्चित हो सके। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने आदिवासी बेटियों के विरुद्ध हो रहे अत्याचारों, शोषण और जबरन धर्मांतरण के मामलों को गंभीरता से उठाया और इसके विरुद्ध प्रभावी एवं सख्त कानून की माँग की। इसके साथ ही उन्होंने बस्तर को जनजातीय गौरव कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव संसद में रखते हुए इस क्षेत्र के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने का आग्रह किया।

आदिम जाति विकास विभाग मंत्री ने कोण्डागांव के आश्रम शाला में कल्पना कक्ष का किया निरीक्षण

कोंडागांव, निप्र। आदिम जाति अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कोंडागांव जिले के फरसगांव विकासखंड अंतर्गत बालक आश्रम कोसागांव का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से आश्रम में स्थापित 'कल्पना कक्ष' में बच्चों से मिले। कल्पना कक्ष में कंप्यूटर सामग्री के साथ विविध विषयों के पुस्तकों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से कम्प्यूटर अनुभव और प्रतिलिपि लेखन के विषय में चर्चा किए तथा सभी बच्चों को चॉकलेट का वितरण किया। तत्पश्चात उन्होंने आश्रम शाला भवन की वस्तुस्थिति का निरीक्षण किया गया। विश्राम कक्ष की स्वच्छता, खिड़कियों में मच्छरदानी, गद्दे, तकिये की स्वच्छता, शौचालय और उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग के संबंध में निर्देश भी दिया गया। निरीक्षण पश्चात स्थानीय ग्रामीण और आश्रम शाला के बच्चों के साथ सामूहिक चर्चा किया गया। बच्चों से सामान्य ज्ञान की बातें पूछकर शिक्षकों के द्वारा कराये जा रहे शिक्षकीय कार्य का आंकलन शिक्षकों से वार्ता करके किया गया तथा शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि बच्चे राष्ट्र गीत, राष्ट्र गान, महानायक, महापुरुषों जैसे राष्ट्रीय महत्व के सामान्य ज्ञान से परिचित रहे। बच्चों को संगीत की सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिया गया। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान आश्रम के सीट वृद्धि के संबंध में ग्रामीणों के द्वारा माँग किए जाने पर मंत्री श्री नेताम द्वारा आश्रम शाला के 50 सीट को बढ़ाकर 100 सीट करने की घोषणा की गई।

कमिश्नर श्री डोमन सिंह 6 अगस्त को करेंगे स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

जगदलपुर, निप्र। कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह की अध्यक्षता में बुधवार 6 अगस्त को सांयकाल 4 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला कार्यक्रम प्रबंधकों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी, जिसमें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सहित कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ 6 अगस्त को शाम 4 बजे अपने जिले में स्थापित एनआईसी कक्ष में अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने राजीव भवन में सादगीपूर्ण मनाई स्व.पंडित रविशंकर शुक्ल व स्व. विद्याचरण शुक्ल की जयंती

जगदलपुर, निप्र। संभाग मुख्यालय राजीव भवन जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्व.पंडित रविशंकर शुक्ल जी एवं झीरम घाटी हमले में शहीद हुए भारत के पूर्व विदेश मंत्री एवं सूचना प्रसारण मंत्री रहे स्व.श्री विद्याचरण शुक्ल जी के जन्म जयंती सादगीपूर्ण मनाई गई...इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य व कांग्रेस पदाधिकारियो ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया .. इस दौरान रविशंकर तिवारी, हनुमान द्विवेदी, कमलेश पाठक, अनुराग महतो, सायमा अशरफ, माही श्रीवास्तव, सुनीता दास, नीतीश शर्मा, उस्मान रजा,रजत जोशी, खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे..

बस्तर संभाग में ऐतिहासिक डाक कांवड़ यात्रा का सफल आयोजन

शिव भति के साथ समाज में स्वास्थ्य और नशा मुति का दिया गया संदेश

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। बस्तर संभाग में श्रद्धा, आस्था और सामाजिक जागरूकता का अनुपम संगम उस समय देखने को मिला, जब क्षेत्र की पहली डाक कांवड़ यात्रा का सफल आयोजन किया गया। बजरंग दल के तत्वावधान में यह पावन यात्रा जगदलपुर के महादेव घाट से प्रारंभ होकर खम्हारगांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक लगातार दौड़ते हुए, बिना रुके, पूरी की गईद्य

विशेष बात यह रही कि महादेव घाट, जो इंद्रावती नदी के किनारे स्थित है, वहां से जल त्रिशूल आकार की स्टीलनुमा पाइप में भरे जल पात्र के रूप में लिया गया। यही त्रिशूलनुमा कांवड़ लेकर शिवभक्त बारी-बारी से बिना थमे लगातार दौड़ते रहे। पूरे मार्ग में हर हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों की गूंज ने वातावरण को भक्ति-रस में सराबोर कर दिया। इस अनोखी और ऊर्जावान दौड़ को देख रास्ते में खड़े अनेक लोग अचंभित रह गए, क्योंकि इस प्रकार की डाक कांवड़ यात्रा बस्तर संभाग में पहली बार आयोजित की गई थी। इस डाक कांवड़ यात्रा का उद्देश्य केवल शिव की पूजा और भक्ति ही नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से समाज में बेहतर स्वास्थ्य, अनुशासन, संयम और नशा मुक्ति का भी संदेश देना था। युवाओं को नशे की बुरी लत से दूर कर, स्वस्थ जीवन और आध्यात्मिक संतुलन की ओर प्रेरित करना इस आयोजन का मूल भाव रहा। लगभग 15 किलोमीटर की दूरी को शिवभक्तों ने, पूरी ऊर्जा और संकल्प के साथ बिना किसी विराम के तय किया। पूरा मार्ग हर हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों से गूंज उठा। खम्हारगांव शिवालय में यात्रा के समापन पर सामूहिक जलाभिषेक, मंत्रोच्चार और विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस यात्रा को और व्यापक स्वरूप देने के साथ-साथ नशा मुक्त समाज बनाने हेतु नियमित अभियान भी चलाया जाएगा।

किसान सम्मान निधि के तहत सुकमा जिले के 20,977 किसानों के खाते में पहुंचे 4.52 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री मोदी ने किसान सम्मान निधि की 20 वीं क़िस्त की जारी

मीडिया ऑडीटर, सुकमा (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की 20 वीं क़िस्त की जारी राशि उत्तर प्रदेश के वाराणसी से 02 अगस्त को जारी की। इससे सुकमा जिले के 20,977 हजार किसानों के खाते में 4.52 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्थानांतरित की गई है। कलेक्ट्रेट देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में राशि अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग, सुकमा के सयुंक्त तत्वाधान में कृषि विज्ञान केंद्र के सभागार में किया गया। कार्यक्रम गीता कवासी, जिला पंचायत सदस्या के मुख्य

आतिथ्य में तथा रीना पेददी, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत सुकमा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जनप्रतिनिधि के रुप में सरपंच श्री मुक्का राम नाग, श्री दिलीप पेददी, कृषि वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्या ममता भारती, श्री इंदर लाल सेठिया, भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष श्री धरम नाग तथा जिले के तीनों विकास खण्डो से किसान मित्रों सहित 347 कृषक उपस्थित थे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं एवं कृषि विज्ञान केन्द्र से नई-नई तकनीकों का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उप संचालक कृषि श्री पी.आर. बघेल ने पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए

किसानों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी, साथ ही कृषि विभाग द्वारा प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पंजीयन लगाकर प्रचार-प्रसार किया गया तथा किसानों से जुड़े अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के कृषि वैज्ञानिक श्री आर. पी. कश्यप ने तिलहन समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु किसानों को सफेद तिल की उन्नत किस्म उन्नत रामा की विशेषताओं एवं उत्पादन विधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। बताया गया कि इस वर्ष जिले में कुल 198 हेक्टेयर क्षेत्र में तिलहन अग्रिम पंक्ति समूह प्रदर्शन किए जाने हैं। इसके लिए किसानों का चयन, खेत की तैयारी, बुआई का उपयुक्त समय, बीज की मात्रा, बीज उपचार, जैव एवं रासायनिक खाद का संतुलित उपयोग, साथ ही कीट एवं रोग नियंत्रण की समुचित जानकारी प्रशिक्षण के माध्यम से दी गई। कार्यक्रम में तिलहन एवं रागी उत्पादक किसानों को तिल की उन्नत किस्म उन्नत रामा तथा रागी की

उन्नत किस्म %सीजी रागी 2% का बीज वितरण किया गया।

कार्यक्रम मे कृषि से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों के साथ मासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर आगामी फसल हेतु चर्चा की और सभी ने अपने अपने विभाग की योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। कृषि विभाग से उप संचालक कृषि श्री पी.आर बघेल, सहायक संचालक कृषि डा. जितेश बघेल, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश बैक, रोहित सलाम, प्रतिमा धुव्र कोपेशवर गजेंद्र, मंयक देवांगन कृषि विज्ञान केंद्र से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री एच.एस. तोमर, कृषि वैज्ञानिक श्री राजेंद्र प्रसाद कश्यप, डॉ. परमानंद साहू, डॉ. योगेश कुमार सिदार, डॉ संजय सिंह राठौर, मयूरी ठाकुर, गुलशन वर्मा के साथ साथ केंद्र के कर्मचारी परमेश सिंह शोरी, ज्योतिष कुमार पोटला, ओम प्रकाश, लखमा आदि मौजूद थे।

बस्तर जिले के 67 हजार से अधिक किसानों को मिला किसान सम्मान निधि का लाभ

बैंक खाते में 14 करोड़ 64 लाख रुपए हस्तांतरित

जगदलपुर, निप्र। बस्तर जिले के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के 67 हजार 130 किसानों को कुल 14 करोड़ 64 लाख रुपए की राशि शनिवार को हस्तांतरित की गई। इस वित्तीय सहायता से किसानों को खेती-किसानी से जुड़े खर्चों में मदद मिलेगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।यह सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है, जिससे योजना में पारदर्शिता बनी रहे और लाभार्थियों तक सीधे लाभ पहुंच सके। यह पहल किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष ?6,000 की वित्तीय सहायता तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह राशि किसानों के लिए बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी। इससे किसानों को अपनी फसल का बेहतर उत्पादन करने और अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस योजना से बस्तर के ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर किसानों को मदद मिली है, जिससे किसानों में खुशी है और जगदलपुर तहसील अंतर्गत घाट पदमूर निवासी कुल्लू बघेल, तुरेनार के मनदेव बघेल आदि किसानों ने सरकार की उक्त सराहनीय प्रयास हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उन्के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संबल है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े ने कोंडागांव जिले में विभागीय संस्थानों का किया निरीक्षण

महिलाओं और बच्चों के हित में विभागीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, कोण्डागांव (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कोंडागांव जिले के प्रवास के दौरान विभागीय संस्थानों का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन को देखा। मंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन से महिलाओं और बच्चों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही संस्थानों में साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने को कहा। इस दौरान उन्होंने नशा मुक्ति केन्द्र, आंगनबाड़ी केन्द्रों, बालिका बाल गृह और सखी सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री राजवाड़े ने बनियागांव का निरीक्षण करते हुए वहां भर्ती नशा पीड़ितों की संख्या और उन्हें नशा मुक्ति के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ितों से चर्चा करते हुए नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए नशे से दुर रहने की हिदायत दी। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम बनियागांव के नयापारा आंगनबाड़ी केन्द्र और चिखलपुट्टी के आंगनबाड़ी केन्द्र प्लाटपारा पहुंचकर बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार के साथ सिखाए जाने वाले विविध गतिविधियों की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों ने मंत्री राजवाड़े के प्रश्नों का सहजता के साथ जवाब देते हुए कविताएं, कहानी और एबीसीडी सुनाई, जिसकी मंत्री ने सराहना की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को चॉकलेट वितरित किए। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान किचन और बाथरूम की साफ-सफाई व्यवस्था को दुरूस्त रखने हेतु संबंधित सीडीपीओ को निर्देशित किया।

मंत्री राजवाड़े ने निरीक्षण के क्रम में हॉफवे होम और सखी वन स्टाप सेंटर का भी निरीक्षण किया। सखी वन स्टाप सेंटर में उन्होंने पीड़ित के काउंसिलिंग प्रक्रिया को देखा और पीड़ितों के समुचित काउंसिलिंग कराने हेतु निर्देशित

किया। हॉफवे होम में रेस्क्यू किये गए लोगों की जानकारी ली और उनके स्वास्थ्य सहित रहने खाने एवं आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली। मंत्री ने वहां हॉफवे होम में दूसरे राज्य से भटककर पहुंचे व्यक्तियों को उनके गृह राज्य में पहुंचाने की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने बालिका बाल गृह पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहां उन्होंने बालिका गृह के बालिकाओं की खेल के क्षेत्र में उपलब्धि पर उनकी सराहना करते हुए उन्हें अच्छे से पढ़ाई करने और इसी प्रकार मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक श्री पीएस एल्मा, अपर कलेक्टर श्री चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एसडीएम श्री अजय उरांव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

दोस्त की अंतिम इच्छा पर अर्थी के आगे किया डांस बोला उसने कहा था मेरी शव यात्रा में नाचते हुए चलना

मंदसौर, एजेंसी। मित्रता की ऐसी मिसाल शायद ही कहीं देखने को मिले, जहां एक दोस्त ने अपने मित्र की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उसकी शव यात्रा में डांस किया हो। मंदसौर जिले के जवासिया गांव में सोहनलाल जैन और अंबालाल प्रजापत की दोस्ती की यह अनूठी कहानी आज चर्चाओं में है। पंद्रह साल पहले एक छोटी सी चाय की दुकान पर शुरू हुई यह दोस्ती, धीरे-धीरे कृष्ण-सुदामा की मित्रता में बदल गई। सत्संग और भक्ति में डूबी इस जोड़ी ने साबित कर दिया कि सच्ची मित्रता न केवल जीवन में बल्कि मृत्यु के बाद भी निभाई जा सकती है। साल 2021 में सोहनलाल ने एक पत्र लिखकर अपने दोस्त अंबालाल से एक वादा मांगा था कि उनकी मृत्यु के बाद कोई रोना-धोना नहीं, बल्कि ढोल-नगाड़ों के साथ डांस करते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी जाए। कैंसर से जूझ रहे सोहनलाल को मौत का डर नहीं था, उन्हें बस अपने दोस्त से यह वादा चाहिए था। जब वह दिन आया तो अंबालाल ने दुनिया की परवाह किए बिना, अपने मित्र की अंतिम इच्छा पूरी की। लोगों ने रोका, लेकिन वह नहीं रुके। क्योंकि यह सिर्फ एक वादा नहीं था, यह था सच्ची मित्रता का प्रतीक, जो आज के समय में एक अनमोल संदेश देता है।

सोहनलाल जैन, मृतक

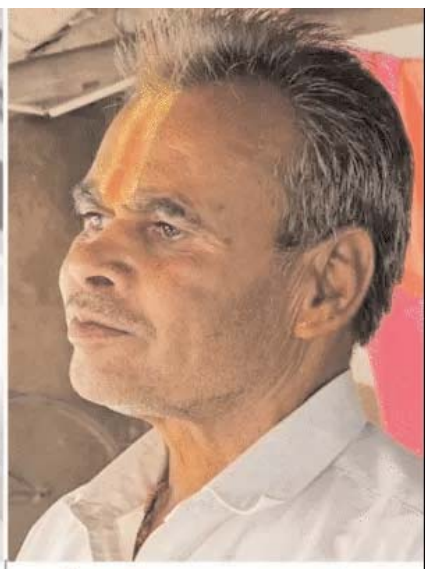

अंबालाल प्रजापत, दोस्त

सोहनलाल ने मौत के 4 साल पहले लिखा था दोस्त को पत्र : जवासिया गांव में 30 जुलाई को 71 वर्षीय सोहनलाल जैन की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिनका एक दिन पहले कैंसर से निधन हो गया था। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार सुबह गांव की गलियों में बैंड-बाजे के साथ उनके मित्र अंबालाल प्रजापत ने अर्थी के आगे नाचकर उन्हें विदा किया। सोहनलाल जैन ने 9 जनवरी 2021 को अपने दोस्त अंबालाल प्रजापत को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था, ÷जब मैं इस दुनिया में न रहूं, तब मेरी अंतिम यात्रा में शामिल होकर मेरी अर्थी के आगे नाचते हुए मुझे विदा करना। रोना-धोना मत करना, सब कुछ खुशी-खुशी होना चाहिए।÷ यह खत उनके कैंसर के पता चलने के कुछ दिन बाद लिखा गया था। अपने पत्र में जैन ने लिखा था, मुझसे जाने-अनजाने में गलती हुई हो तो क्षमा करना। इस पत्र में उन्होंने अपने मित्र को आखिरी बार राम-राम भी कहा था। यह घटना दोस्ती की एक मिसाल बनकर सामने आई है, जहां एक मित्र ने अपने दिवंगत दोस्त की इच्छा को पूरी श्रद्धा से निभाया।

20 साल पहले चाय से शुरू हुई सोहनलाल-अंबालाल की दोस्ती : अंबालाल ने बताया कि सोहनलाल जैन करीब 20 साल पहले सिहोर गांव से जवासिया आए थे और यहां दुकान खोली थी। उस समय से वे रोज उन्हें घर की चाय पिलाते थे। इसी से दोस्ती की शुरुआत हुई। आगे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वे दिन में 2-3 बार मिलते थे और रोज बातें करते थे। अंबालाल और सोहनलाल की यह दोस्ती सत्संग और आध्यात्मिक चर्चाओं से शुरू हुई। धीरे-धीरे प्रभात फेरी में साथ चलने लगे, और यूं दोनों की मित्रता गहरी होती गई। सोहनलाल, जो उम्र में बड़े थे, अंबालाल के लिए मित्र से बढ़कर गुरु बन गए। वही थे जिन्होंने अंबालाल को भगवान के मार्ग पर चलना सिखाया। दोनों के बीच कभी कोई मतभेद नहीं हुआ। जब भी सत्संग की बातें होतीं, दोनों की आंखें नम हो जातीं। अंबालाल ने कहा, कृष्ण-सुदामा जैसी मित्रता, तस्वीर की जरूरत नहीं 2021 में कैंसर से जूझ रहे सोहनलाल ने एक पत्र लिखा। उस पत्र में उन्होंने लिखा था कि जब वे दुनिया छोड़कर जाएं, तो अंबालाल उनकी विदाई बैंड-बाजे और नृत्य के साथ करें। सोहनलाल का मानना था कि मृत्यु से डरना नहीं चाहिए।

400 क्वार्टर अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, सीहोर के बुधनी में पुलिस की कार्रवाई; कार जब्त

सीहोर, एजेंसी। सीहोर की शाहगंज पुलिस ने 400 क्वार्टर अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार किया है। एसपी दीपक शुक्ला के निर्देश पर जिले में अवैध शराब विक्रय और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई चल रही है।

एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी शाहगंज निरीक्षक दिनेश सिंह चौहान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सफेद रंग की हुंडई आई-10 कार (नंबर डीएल-4सी/एपी-4489) में अवैध शराब लेकर भोपाल की ओर से आ रहा है।

डिग्गी में प्लास्टिक की चार सीलबंद बोरियां मिली : इस सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम खटपुरा, भोपाल-शाहगंज मुख्य मार्ग पर वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन की डिग्गी में प्लास्टिक की चार सीलबंद बोरियों में कुल 400 क्वार्टर शराब बरामद की गई। इस शराब की अनुमानित कीमत 44 हजार रुपए है।

गाड़ी जब्त : वाहन चालक ने अपना नाम दिनेश पिता सुन्दरलाल सैनी (41), निवासी सूदोन गांव बताया। शराब के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। घटना में इस्तेमाल गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है।

सागर के रानीपुरा गांव में दिनदहाड़े चोरी: सूने मकान से सोने-चांदी के गहने और 43 हजार नकद ले गए चोर

सागर, एजेंसी। सागर जिले के नरयावली थाना क्षेत्र के ग्राम रानीपुरा में शनिवार दोपहर अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर वहां से सोने-चांदी के गहनों और 43 हजार नकद की चोरी कर ली। महिला कुछ देर के लिए दूध लेने पड़ोस गई थी। लौटने पर घर के ताले टूटे मिले। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

पड़ोस में दूध लेने गई थी महिला, इसी दौरान हुई चोरी : पीड़िता गेंदारानी पति खूंबचंद्र साहू ने थाने में शिकायत दी कि वह बीड़ी बनाने का काम करती हैं। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे वह पड़ोसी नत्थी साहू के घर दूध लेने गई थीं। घर के दरवाजे बंद करके गई थीं। कुछ देर बाद लौटीं तो देखा कि सभी दरवाजे खुले थे और अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

पलंग पेटी से सोना-चांदी और 43 हजार नकद गायब : महिला ने बताया कि घर में रखी पलंग पेटी का ताला टूटा था। उसमें रखी दो जोड़ी चांदी की पायल, दो चांदी की करधोनी, 22 सोने के चपरा वाले गुरिया, एक सोने का छोटा पेंडिल और करीब 43,000 नकद चोरी हो गए हैं।

थाने में शिकायत दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच : घटना की जानकारी महिला ने अपने बेटों और पड़ोसियों को दी, फिर थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने सबूत जुटाए हैं। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नर्मदापुरम अस्पताल में बिजली गुल, डिलीवरी रोकी: उमस में नवजातों-प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ी, सीएमएचओ बोले- मेरे घर भी बिजली नहीं

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिला अस्पताल में शनिवार-रविवार दरमियानी रात करीब साढ़े 4 घंटे बिजली गुल रही। दो बार बिजली जाने से प्रसूता वार्ड, भर्ती वार्ड, वेटिंग रूम और बच्चा वार्ड अंधेरा रहा। गर्मी और उमस के कारण नवजात और महिलाएं बिलखती रहीं, परिजन टॉर्च और हाथ के पंखे से काम चलाते रहे। पहली बार रात 8:50 बजे से 10:20 बजे तक अस्पताल के आधे हिस्से और डॉक्टर्स कॉलोनी की बिजली गुल रही। इसी दौरान एक गर्भवती की डिलीवरी रोकनी पड़ी। दूसरी बार रात 2:30 से सुबह 5 बजे तक फिर बिजली चली गई, जिससे हालात और बिगड़ गए। उमस के कारण कई महिलाओं की तबीयत बिगड़ी गई। वे उल्टियां करने लगीं। प्रसूता महिलाओं के परिजन मोबाइल की टॉर्च से उजाला करते दिखे। वे हाथ से कपड़ा हिलाकर गर्मी में नवजातों को हवा कर रहे थे। रसीदपुर निवासी पार्वती की छह दिन पहले डिलीवरी हुई थी, बच्चा गर्मी से रोता रहा, पूरे वार्ड में घुटन थी।

गेट में ताला, परिजन नहीं निकल सके बाहर : जब दूसरी बार रात 2:30 बजे लाइट गई, तो स्टाफ ने प्रसूता वार्ड के रास्ते में गेट बंद कर ताला लगा दिया। इस वजह से महिलाएं और उनके साथ आई अटेंडर बाहर नहीं निकल पाए। गर्मी से परेशान महिलाएं चिल्लाती रहीं लेकिन किसी ने नहीं सुना। परिजन गेट खुलवाने की गुहार लगाते रहे ताकि वे बच्चों को खुली हवा में ले जा सकें।

जनरेटर और इनवर्टर थे, लेकिन चालू नहीं किए गए

जिला अस्पताल में इमरजेंसी के लिए जनरेटर और इनवर्टर की व्यवस्था है, लेकिन रात को बिजली जाने पर ये बंद पड़े थे। पूरे अस्पताल में अंधेरा छाया रहा। लोगों का आरोप है कि ये व्यवस्था सिर्फ कागजों में है, हकीकत में कोई उपयोग नहीं होता।

प्रेमिका ने जीने लायक नहीं छोड़ा: क्लर्क ने सुसाइड नोट में लिखा- 10 लाख के जेवर-सामान खरीदवाए, फिर शादी से मना किया

विदिशा, एजेंसी। विदिशा मेडिकल कॉलेज के कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक ठकोरिया (35) ने कर्मचारी कॉलोनी स्थित क्वार्टर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। 18 पेज के सुसाइड नोट में उसने मौत का जिम्मेदार रायसेन की रहने वाले प्रेमिका सोनाली नामदेव को ठहराया था। पुलिस ने जांच के बाद प्रेमिका सोनाली नामदेव पर मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि सुसाइड नोट में उसने प्रेमिका और उसके परिवार पर आर्थिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था। साथ ही 10 लोगों को दी गई कुल 10.68 लाख रुपए की उधारी का विवरण भी दिया था।

वहीं, दीपक की बहनों का कहना है कि उन्हें दोनों के प्रेम प्रसंग का मालूम था और वह शादी के लिए भी तैयार थे। सोनाली दीपक का आर्थिक शोषण कर रही थी, वह उसे शादी नहीं करना चाहती थी। इसी बात को लेकर दीपक ने सुसाइड किया है। सोनाली पहले भी तीन लड़कों को फंसाकर लूट चुकी है, हमारा भाई चौथा था। वो ये प्रताड़ना सह नहीं पाया और जान दे दी।

सोनाली नामदेव, आरोपी

सहकर्मी ने देखा तो फांसी लगा चुका था दीपक : मेडिकल कॉलेज की स्थापना शाखा में क्लर्क के पद पर पदस्थ 35 वर्षीय दीपक कुमार ठकोरिया ने 10 जुलाई को कॉलेज की 14 नंबर बिल्डिंग के 109 नंबर कमरे में फांसी लगा ली थी। सुबह 10 बजे तक दीपक घर से बाहर नहीं निकला था और न ही उसके कमरे कोई आहट आ रही थी।

इस कारण बगल के कमरे में रहने वाले एक सहकर्मी ने कमरे के अंदर देखा तो तब तक वह फांसी लगा चुका था। उसने तत्काल कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी। थोड़ी ही देर में घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। मौके पर जांच पड़ताल की गई तो सुसाइड नोट भी मिला।

दीपक के सुसाइड नोट के खास अंश : दीपक ने सुसाइड नोट में लिखा- मेरी मौत का कारण सिर्फ सोनाली नामदेव है। मैं अपना जीवन हंसी-खुशी जी रहा था और जीना चाहता था।

प्रेमी ने की महिला के बच्चों की हत्या: बेटा-बेटी को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला, देवास में पति बताकर किराए पर मकान लिया था

देवास, एजेंसी। देवास के ढांचा भवन क्षेत्र में शनिवार सुबह किराए के मकान में दो बच्चों के शव मिले थे। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में पता चला है कि 7 साल के हेमंत की मौत दम घुटने और 3 साल की निशा की मौत बेरहमी से हुई मारपीट के चलते हुई है। बच्चों की हत्या मां के लिव इन पार्टनर लोकेंद्र उर्फ राहुल मालवीय ने की। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बता दें, शनिवार सुबह बच्चों की मां प्रिया यादव दोनों को लेकर अस्पताल पहुंची थी, जहां डॉक्टरों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया था। मौके पर पहुंची पुलिस को कमरे में सामान बिखरा मिला था। टूटी चूड़ियों से अंदाजा लगाया जा रहा था कि बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई होगी।

लोकेंद्र, आरोपी

पति से विवाद के बाद अलग रहने लगी थी महिला : जांच में सामने आया कि मथुरा की रहने वाली प्रिया ने 2014 में मुरैना के विष्णु कटारा से लव मैरिज की थी। कुछ दिनों बाद दोनों के बीच विवाद होने लगे। लिहाजा प्रिया बच्चों को लेकर पीथमपुर आ गई और वहीं छोटा-मोटा काम करने लगी।

लिव इन पार्टनर के साथ मिलकर किराए पर मकान : करीब डेढ़ महीने पहले वह बच्चों के साथ देवास आ गई। मकान मालकिन कौशल्या के मुताबिक प्रिया ने सोनकच्छ निवासी लोकेंद्र उर्फ राहुल मालवीय को अपना पति बताकर मकान किराए पर लिया था। पड़ोसी रीना और उसके पति राकेश ने मकान दिलाने में उसकी मदद की थी।

बर्थडे पार्टी से लौटने के बाद विवाद, फिर हत्या : घटना शुक्रवार-शनिवार (1 अगस्त) की दरमियानी रात की है। प्रिया अपने बच्चों और प्रेमी लोकेंद्र के साथ पड़ोस में बर्थडे पार्टी में गई थी। वहां से लौटने के बाद शराब के नशे में धुत लोकेंद्र ने प्रिया से झगड़ा शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर प्रिया कुछ देर के लिए पड़ोस में रहने वाली रीना के यहां चली गई। वापस लौटने पर उसने देखा कि लोकेंद्र और दोनों बच्चे सो रहे हैं। शनिवार सुबह लोकेंद्र काम पर चला गया। जब बच्चे देर तक नहीं जागे, तो प्रिया उन्हें अस्पताल ले गई।

दोनों बच्चों को तकिए से मुंह दबाकर मार दिया : औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया कि जब बच्चों के शवों को देखा गया तभी संदेह हुआ। इसके बाद मां और पड़ोसियों से पूछताछ की गई। पाया गया कि एक व्यक्ति जो बच्चों की मां का परिचित था, वह बच्चों के साथ रात में रुका था। मां भी वहां थी, लेकिन बीच में कुछ देर के लिए बाहर गई थी।

मर्डर कर रात भर घर में ही सोया रहा आरोपी : पुलिस के मुताबिक बच्चों को मारने के बाद आरोपी लोकेंद्र रात भर वहीं सोया रहा। सुबह 5 बजे वह नहाने के बाद प्रिया को बोलकर पीथमपुर निकल गया। प्रिया बच्चों के लिए नाश्ता बना रहा थी, इसी दौरान वह उन्हें उठाने गई। वो नहीं जागे तो कंबल उठाकर देखा तो बच्चों के मुंह से झाग और ब्लड आ रहा था, दोनों बेहोश थे। आरोपी बोला- रात में प्रिया से झगड़ा हुआ था

पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि प्रिया जिसे अपना पति बताकर मकान में रह रही थी, वह पति नहीं बल्कि लिव इन पार्टनर है। पुलिस ने प्रिया से पूछताछ की तो उसने रात को हुए झगड़े वाली पूरी बात पुलिस को बता दी। इसके बाद लोकेंद्र को हिरासत में लेकर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ शुरू की। पहले तो वह नहीं माना लेकिन कड़ाई करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

मंत्री ने स्वीकारा- स्विमिंग पुल बना पर पानी नहीं ठहरता

भोपाल, एजेंसी। विधानसभा में बुरहानपुर नगर निगम द्वारा बनाए गए स्विमिंग पुल का मामला उठने के बाद नगरीय विकास और आवास विभाग अब इस मामले में सख्त कार्रवाई की तैयारी में हैं। विधायक अर्चना चिटनीस के सवाल के जवाब में नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने स्वीकार किया है कि स्विमिंग पुल निर्माण में गड़बड़ी हुई है। स्विमिंग पुल का निर्माण जहां किया गया है वहां पानी का कोई स्रोत ही नहीं है। इतना ही नहीं इस स्विमिंग पुल में पानी ठहरता ही नहीं है। इस वजह से इसे भर पाना संभव नहीं है। इसके बाद नगरीय विकास विभाग के कमिश्नर ने डेढ़ करोड़ की लागत से बनाए गए इस स्विमिंग पुल की जांच रिपोर्ट बुरहानपुर नगर निगम आयुक्त से मांगी है ताकि कार्रवाई की जा सके। गड़बड़ी की जांच के लिए तीन माह पहले एक समिति गठित की गई है। गौरतलब है कि वर्ष 2011 में इस स्विमिंग पुल की स्वीकृति मिली थी। तब इसकी लागत 1.35 करोड़ रुपए थी जो इसके पूरा होते तक 1.51 करोड़ तक पहुंच गई।

वर्तमान सब इंजीनियर सस्पेंड, बाकी जांच के दायरे में : नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बुरहानपुर नगर निगम में स्विमिंग पूल निर्माण कार्य में पाई गई गड़बड़ी को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का फैसला किया है। भोंडवे ने नगर निगम बुरहानपुर के आयुक्त को निर्देशित किया है कि इस प्रकरण में संदिग्ध पाए गए सेवानिवृत्त उपयंत्री सगीर अहमद एवं सेवानिवृत्त उपयंत्री अमित गंगराड़े से जांच में पूर्ण सहयोग लिया जाए। दोनों से यह अपेक्षा की गई है कि वे तय समयावधि में अपनी रिपोर्ट देंगे। भोंडवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि दोनों अधिकारी जांच में अपेक्षित सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच प्रक्रिया को एकपक्षीय रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही नगर निगम बुरहानपुर में वर्तमान में पदस्थ उपयंत्री अशोक पाटिल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। भोंडवे का कहना है कि नगरीय कार्यों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व तय करने के लिए किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सड़क, पेयजल, सीवरेज सिस्टम में रुचि रखने वालों से मांगे आवेदन : नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने नगरीय क्षेत्रों में आम जनता की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक नवाचार की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत उन नागरिकों से आवेदन मंगाए गए हैं जो सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज सिस्टम जैसे निर्माण कार्यों में दक्षता रखते हैं। भोंडवे ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि, यह पहल नगरीय निकायों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को तय करने में सहायक सिद्ध होगी। नागरिकों की सहभागिता से कार्यों में पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ेगी, साथ ही स्थानीय लोगों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा।

रात में मां के साथ सोए बच्चे सुबह मृत मिले देवास में पड़ोसी का जन्मदिन मनाकर लौटे थे

देवास, एजेंसी । देवास में सगे भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों शुक्रवार रात बर्थडे पार्टी से लौटकर मां के साथ सो गए थे। शनिवार सुबह नहीं उठे। दोनों बच्चों को संस्कार हॉस्पिटल ले जाया गया, यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पड़ोसी रीना और उनके पति राकेश ने बताया कि रात को वे सभी पास रहने वाले एक बच्चे का जन्मदिन मनाकर घर लौटे थे। सुबह करीब 7 बजे बच्चों की मां प्रिया यादव ने उन्हें बताया कि निशा (3) और हेमंत (7) रात को सोए थे, जो सुबह उठ नहीं रहे हैं। औद्योगिक थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया, मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मामला संदिग्ध है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ही मौत के कारणों का पता चलेगा।

पति से अलग रहती है महिला : मथुरा की रहने वाली प्रिया यादव ने बताया कि वह दोनों बच्चों के साथ देवास के ढांचा भवन में विक्की जगदाले के मकान में किराए पर रहती है। उसने पति विष्णु कटारा से प्रेम विवाह किया था, लेकिन विवाद के कारण पति से अलग हो गई। दो साल से उनसे कोई संपर्क नहीं है। नौकरी के लिए पहले पीथमपुर और फिर नौकरी देवास आ गई। पीथमपुर में रहकर कैंटीन में काम करती थी। मायका मथुरा में है और ससुराल मुरैना में। कल रात को बच्चों के साथ पड़ोसी के बच्चे के जन्मदिन में गई थी। यहां सभी ने केक और बाद में दाल बाटी खाई। दोनों दूसरे बच्चों के साथ खेले भी। फिर घर आकर सो गए। रात करीब 2 बजे बेटा बिस्तर के नीचे आ गया, मैंने उसे वापस बिस्तर पर सुलाया। सुबह दोनों बच्चों को स्कूल जाने के लिए उठाया तो उनमें कोई हलचल नहीं थी।

कुछ दिन पहले ही कराया था एडमिशन : स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों बच्चों का 17 जुलाई को ही शहर के एक निजी स्कूल में एडमिशन हुआ था। हेमंत पहली कक्षा और निशा नर्सरी में पढ़ाई कर रही थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जयप्रकाश नगर में सरस्वती मन मंदिर स्कूल के संचालक जगत सिंह वर्मा ने बताया कि 17 जुलाई को ही दो बच्चों हेमंत और निशा का एडमिशन स्कूल में उनकी मां प्रिया यादव ने करवाया था। शुरुआत में उन्होंने दोनों के एडमिशन के लिए 500-500 रुपए जमा किए थे। बच्चे 2 से 4 दिन स्कूल आए, उसके बाद वह स्कूल नहीं आ रहे थे। मां ने स्कूल में दस्तावेज भी अधूरे दिए थे।

भूपेंद्र सिंह बोले-आदिवासियों की 500 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा

भोपाल, एजेंसी। सागर के खुरई विधानसभा से बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह और मालथौन के भाजपा नेता गोविंद सिंह राजपूत के बीच चल रही जंग अब विधानसभा तक पहुंच गई है। विधायक भूपेंद्र सिंह ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण के जरिए गोविंद सिंह राजपूत द्वारा आदिवासियों की जमीनों को दबाव और लालच देकर खरीदने, सरकारी जमीनों पर कब्जा करने का मामला उठाया है।

भूपेंद्र सिंह ने विधानसभा में कहा कि आदिवासियों की 500 एकड़ जमीन गलत तरीके से खरीदी गई है। ये सभी रजिस्ट्रियां कैंसिल होना चाहिए। इस मामले पर भूपेंद्र सिंह ने भास्कर के सवालों के जवाब दिए।

सवाल- आपने आदिवासियों की जमीनों का क्या मुद्दा उठाया है? ये गोविंद राजपूत कौन हैं जवाब- ये गोविंद सिंह राजपूत, वहां के स्थानीय व्यक्ति हैं, ऐसे कई नाम हैं। जिन्होंने आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया हुआ है या फिर दबाव बनाकर, कर्ज देकर नियम विरुद्ध उनकी जमीनें खरीद ली है। वो विषय विधानसभा में रखा है।

सरकार ने भी स्वीकार किया है कि कुछ लोगों ने जमीनों पर कब्जा किया है। कुछ लोगों ने जमीनें खरीदी हैं। इन सब की जांच के लिए मंत्री जी राज्य शासन से एक विशेष अधिकारी को नियुक्त करेंगे। जमीनों की जो बिक्री हुई है, वो नियमों के अनुसार हुई है या नियम विरुद्ध हुई है। उसकी पूरी जांच होगी और जिन लोगों का जनजातीय समाज की भूमि पर या शासकीय भूमि पर कब्जा है। उसकी भी जांच कराई जाएगी। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

सवाल- गोविंद राजपूत (मालथौन) का आरोप है कि आप ही उन्हें बीजेपी में लेकर गए और आप ही परेशान कर रहे हैं?

जवाब- अब कौन क्या कह रहा है? मुझे नहीं मालूम। मैं तो चाहता हूं कि गरीबों को न्याय मिले, जनजातीय समाज की जमीनों पर अनेक लोगों का कब्जा है, वो कब्जा हटे। जिन्होंने रजिस्ट्रियां नियम विरुद्ध कराई हैं, वो रजिस्ट्रियां निरस्त हों।

सवाल- किन लोगों का कब्जा है : जवाब- मैंने पूरी सूची दी है। मंत्री जी ने पूरी सूची पढ़ी है और मंत्री जी ने स्वीकार भी किया है कि इन-इन लोगों का शासकीय भूमि पर कब्जा है। कुछ जमीनों से कब्जा हट गया है। और जो जनजातीय समाज की जमीनें दबाव या लालच देकर खरीदी गई हैं। उसके लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को राज्य स्तर से जांच के लिए जिम्मेदारी दी है। सवाल- आपने भू-राजस्व संहित में बदलाव की बात उठाई है जवाब- मैंने सदन में कहा है कि मप्र भू-राजस्व संहिता के सेक्शन 156 में आदिवासियों की जमीन को बेचने का प्रावधान है लेकिन उसमें ये शर्त है कि अनुमति तभी दी जाएगी।

एसीसी ने दुबई और अबू धाबी को एशिया कप के लिए स्थल घोषित किया

नईदिल्ली, (एजेंसी)। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने सितंबर में होने वाले एशिया कप के लिए दुबई और अबू धाबी को आयोजन स्थल के रूप में पुष्टि कर दी है। साथ ही, मैचों के समय की भी घोषणा की है। ये मैच यूएई समयानुसार शाम 6 बजे शुरू होंगे, जो भारत में शाम 7:30 बजे होगा - भारतीय दर्शकों के लिए प्राइम-टाइम। यह टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक चलेगा। 19 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में, जिसमें 19 मैच होंगे, कार्यक्रम में एक-दूसरे से मेल खाने का एक दुर्लभ उदाहरण देखने को मिलेगा। 15 सितंबर को दो मैच निर्धारित हैं - यूएई बनाम ओमान और उसके बाद श्रीलंका बनाम हांगकांग। पहला मैच स्थानीय समयानुसार शाम 4:30 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे) शुरू होगा, जबकि दूसरा मैच सामान्य समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा। नतीजतन, दोनों मैचों के कुछ हिस्से अनिवार्य रूप से एक-दूसरे से मेल खाएँगे।

भारत के लीग मैच 10 सितंबर (यूएई के विरुद्ध), 14 सितंबर (पाकिस्तान के विरुद्ध) और 19 सितंबर (ओमान के विरुद्ध) निर्धारित हैं। यह मानते हुए कि भारत और पाकिस्तान अपने ग्रुप में शीर्ष दो टीमें रहेंगी, वे 21 सितंबर को सुपर 4 चरण में फिर से आमने-सामने होंगी। भारत के बाकी सुपर 4 मैचों की तारीखें लीग तालिका में उनकी स्थिति पर निर्भर करेंगी। एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी ने आयोजन स्थलों और समय की घोषणा करते हुए कहा, एसीसी टी20 एशिया कप के आयोजन स्थल और मैचों के समय की घोषणा कर दी गई है! खचाखच भरे स्टेडियमों और कुछ बेहद रोमांचक मुकाबलों का बेसब्री से इंतज़ार है। एसीसी ने एक बयान में कहा, साल के सबसे बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंटों में से एक में शीर्ष एशियाई क्रिकेट देशों के बीच मुकाबला होने के साथ, यह घोषणा टूर्नामेंट की तैयारियों में एक बड़ा कदम है। प्रतिष्ठित स्टेडियमों से लेकर उत्साही प्रशंसकों तक, पूरे महाद्वीप में रोमांचक मुकाबले के लिए मंच तैयार है। आठ टीमें - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफ़ग़ानिस्तान, यूएई, ओमान और हांगकांग - इस टी-20 टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसका फाइनल 29 सितंबर को दुबई में होगा।

अभी तक कोई उत्पादन फर्म नहीं : इस बीच, पता चला है कि एसीसी ने अभी तक एशिया कप के लिए प्रोडक्शन कंपनी तय नहीं की है। पिछले संस्करणों में, स्टार स्पोर्ट्स, जिसके पास प्रसारण अधिकार भी थे, ने प्रोडक्शन का काम संभाला था। इस बार, सोनी स्पोर्ट्स के नए अधिकार धारक होने के कारण, जिन्होंने आठ साल के लिए अधिकार हासिल किए हैं, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें प्रोडक्शन का काम भी सौंपा जाएगा या नहीं।

तैराकी विश्व चैंपियनशिप: भारत का निराशाजनक अभियान समाप्त, शोआन गांगुली 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में 28वें स्थान पर

नईदिल्ली, (एजेंसी)। तैराकी विश्व चैंपियनशिप में भारत का अभियान रविवार को यहां पुरुषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में शोआन गांगुली के 28वें स्थान पर रहने के साथ समाप्त हो गया। 20 वर्षीय इस खिलाड़ी ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में रिकार्ड तोड़ते हुए भाग लिया था, लेकिन उन्होंने 4:30.40 का समय लिया और आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। यह प्रयास उनके सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय 4:24.64 से काफी कम था, जो उन्होंने जून में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था। चार बार के ओलंपिक चैंपियन लियोन मार्चैंड ने फाइनल में जगह बनाने के लिए बस इतना ही किया। इस फ्रांसीसी स्टार ने, जिन्होंने इसी हफ़्ते 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले का खिताब जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया 13.19 सेकंड का समय निकालकर सातवाँ स्थान हासिल किया।

आईसीसी गेमिंग अधिकारों के लिए सीधे खिलाड़ियों से संपर्क करेगा

नईदिल्ली, (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने मोबाइल गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म बनाने और उसकी मार्केटिंग करने की अपनी लक्षित बोली में विश्व क्रिकेटर्स एसोसिएशन (WCA) को शामिल न करने का फ़ैसला किया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए खिलाड़ियों के अधिकारों की सुरक्षा बेहद ज़रूरी है, और ICC का इरादा खिलाड़ियों के संघ के बजाय सदस्य बोर्डों के ज़रिए उन्हें हासिल करने का है। हाल ही में सिंगापुर में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने वाले सदस्यों के बीच वितरित आईसीसी के एक नोट में कहा गया है, अप्रैल में हुई (हरारे में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में) स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि इस परियोजना के लिए सभी खिलाड़ियों के अधिकार सदस्यों के माध्यम से सुरक्षित किए जाएंगे। आईसीसी को विश्व क्रिकेटर्स एसोसिएशन जैसे किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से खिलाड़ियों के अधिकारों का अनुबंध नहीं करना था। इस मुद्दे का एक महत्वपूर्ण पहलू - या यूँ कहें कि एक अतिरिक्त आयाम - यह है कि उन सेवानिवृत्त खिलाड़ियों को कैसे शामिल किया जाए जो अब अपने संबंधित बोर्डों के अनुबंध के अधीन नहीं हैं। सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी जैसे आइकॉन खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के दायरे से बाहर हैं, और इन दिग्गजों के बिना कोई भी आईसीसी ऑनलाइन खेल अधूरा सा लगेगा। यही बात अन्य देशों के बड़े सेवानिवृत्त खिलाड़ियों पर भी लागू होती है। सिंगापुर बैठक के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा हुई और आईसीसी प्रबंधन ने अपने बोर्ड से ऐसे पेचीदा मुद्दों को सुलझाने के लिए एक कार्यसमूह बनाने का अनुरोध किया है।

विश्व निकाय को उम्मीद है कि अक्टूबर में होने वाली अपनी अगली बैठक से पहले इस परियोजना के सभी पहलुओं पर निर्णय हो जाएगा। नोट में कहा गया है, इसका उद्देश्य अक्टूबर की बोर्ड बैठकों में अनुमोदन के लिए एक पसंदीदा साझेदार की पहचान करना है। (आईसीसी) प्रबंधन मोबाइल गेम के लिए आवश्यक अधिकारों के लाइसेंस को औपचारिक रूप देने के लिए जल्द ही सदस्यों से संपर्क करेगा। ये समझौते अक्टूबर तक पूरे होने चाहिए। वैश्विक गेमिंग उद्योग बहुत बड़ा है - वित्तीय और सांस्कृतिक-सामाजिक महत्व, दोनों ही दृष्टि से। आईसीसी के नवनियुक्त सीईओ संजोग गुप्ता ने सिंगापुर बैठक के दौरान सदस्यों को बताया कि, यह (क्रिकेट में मोबाइल गेमिंग) फिल्मों से भी बड़ा होगा। आईसीसी को इस परियोजना से भारी राजस्व की उम्मीद है, जिसे सदस्यों के बीच वितरित किया जाएगा। वैश्विक गेमिंग बाज़ार का आकार 2022 में 249.55 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया था और इसके 2023 के 281.77 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 665.77 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाने का अनुमान है, जो पूर्वानुमानित अवधि (2023-2030) के दौरान 13.1त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है। 2022 में 46.03त्न की बाज़ार हिस्सेदारी के साथ एशिया प्रशांत क्षेत्र गेमिंग बाज़ार में सबसे ऊपर था, फॉर्च्यून बिज़नेस इनसाइट्स ने पिछले साल रिपोर्ट किया था। पीडब्ल्यूसी इंडिया के अनुसार, देश में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग 2028 तक दोगुना होकर 66,000 करोड़ रुपये का होने का अनुमान है, जिससे अगले कुछ वर्षों में 2 से 3 लाख अतिरिक्त रोज़गार सृजित होने की संभावना है। हरारे बैठक के बाद, आईसीसी ने रुचि की अभिव्यक्ति प्रक्रिया शुरू की, और फिर 15 उत्तरदाताओं को विश्व स्तरीय मोबाइल गेम बनाने में उनके अनुभव और विशेषज्ञता और उनके संगठनों की वित्तीय स्थिति के आधार पर छांटा गया। फ़िल्टरिंग प्रक्रिया के बाद, चयनित संगठनों को निविदा आमंत्रण (आईटीटी) दस्तावेज़ भेजा गया। प्रतिक्रियाएँ सितंबर में अपेक्षित हैं। उसके बाद, तकनीकी और व्यावसायिक दोनों मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

ए एंड डब्ल्यू कैपिटल ने सलाहकार नियुक्त किया: आईसीसी ने वितरण और राजस्व सृजन मॉडल तैयार करने में मदद के लिए ए एंड डब्ल्यू कैपिटल को एक स्वतंत्र सलाहकार नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव अनुरोध प्रक्रिया के बाद हुई है, जिसमें डेलॉइट, बीसीजी और स्पोर्ट्स फाइव सहित सात संगठनों ने प्रतिक्रिया दी थी। ए एंड डब्ल्यू कैपिटल को अंततः भारतीय मोबाइल गेमिंग बाजार और क्रिकेट अर्थव्यवस्था में अपनी विशेषज्ञता के लिए चुना गया। मुंबई और लंदन में कार्यालयों वाली इस कंपनी से अक्टूबर की बोर्ड बैठकों में अधिकारों और वितरण मॉडल के स्वतंत्र मूल्यांकन पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। मोबाइल गेम विकास प्रबंधन के लिए, आईसीसी की वेबसाइट पर एक प्रारंभिक अभिरुचि पत्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था। इस पत्र में संगठनों से उनके प्रासंगिक अनुभव और विशेषज्ञता, वित्तीय स्थिति और अधिकारों के उपयोग की उनकी योजना के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इस जानकारी के आधार पर, आईटीटी प्राप्त करने के योग्य संगठनों की एक सूची तैयार की गई।

नोट में कहा गया है, शॉर्टलिस्ट किए गए संगठनों से खेल के बारे में और जानकारी देने का अनुरोध किया जाएगा, जैसे कि वे किस प्रकार का खेल बनाने की योजना बना रहे हैं और वे खेल का विपणन और प्रचार कैसे करेंगे। यह आईटीटी मूल्यांकन का पहला चरण होगा और यदि पहले चरण में सफलता मिलती है, तो प्रबंधन अधिकार हासिल करने के लिए उनके व्यावसायिक प्रस्ताव पर विचार करेगा। शॉर्टलिस्ट किए गए संगठनों से प्रतिक्रिया सितंबर की शुरुआत तक मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद आईसीसी प्रस्तुति, चयन और अंततः सफल उम्मीदवार के साथ बातचीत शुरू करेगा। हालाँकि आईसीसी ने विस्तृत रोडमैप तैयार कर लिया है, लेकिन सदस्यों के बीच आम धारणा यह है कि इस परियोजना को पूरा होने में एक साल से ज़्यादा का समय लग सकता है।

अमेरिकी महिलाओं ने एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

मोंटेवीडियो, ऐजेंसी। चल रहे पैन अमेरिकन कप 2025 में, दूसरे सेमीफाइनल में उरुग्वे पर रोमांचक शूटआउट जीत के बाद, यूएसए की महिलाओं ने आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप, बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 के लिए योग्यता हासिल कर ली है।

चिली के खिलाफ पहला सेमीफाइनल जीतने के बाद, अर्जेंटीना और अमेरिका के बीच फाइनल खेला जाएगा। हालाँकि, अर्जेंटीना एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में क्वालीफाई करने वाले नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगामी विश्व कप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। इसलिए, पैन अमेरिकन कप 2025 में शीर्ष 2 में अपनी गारंटीशुदा जगह बनाकर, अमेरिका एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 के लिए अमेरिका में उपलब्ध सीधे क्वालीफिकेशन स्थान हासिल कर लेगा। पूल बी में शामिल अमेरिका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की और अपने पहले मुकाबले में अपने दक्षिणी पड़ोसी मेक्सिको को 10-0 से हरा दिया। इसके बाद अपने सबसे कठिन पूल मुकाबले में एक और प्रभावशाली जीत हासिल की, जब उन्होंने चिली को 5-2 से हराकर पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रतियोगिता से देर से हटने का मतलब था कि पूल बी में अमेरिका, चिली और मेक्सिको, तीनों को उनके खिलाफ 5-0 का वॉकओवर मिला। शीर्ष स्थान सुरक्षित होने के बाद, अमेरिका का सेमीफाइनल में मेज़बान उरुग्वे से मुकाबला हुआ, जो पूल ए में अर्जेंटीना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था, और उसके छह अंक कनाडा और पैराग्वे के खिलाफ जीत से आए थे। अर्जेंटीना ने पहले सेमीफाइनल में चिली को हराया था, इसलिए अमेरिका और उरुग्वे दूसरे सेमीफाइनल में यह जानते हुए उतरे कि विश्व कप में उनकी जगह दांव पर है, और दोनों टीमों ने बड़े दांव के अनुरूप बढ़त के साथ खेला।

पहले हाफ में अमेरिका ने पेनल्टी कॉर्नर के कई मौके बनाए, लेकिन उरुग्वे का डिफेंस मज़बूत रहा और दोनों टीमें हाफ टाइम तक 0-0 से बराबरी पर रहीं।

ईसीबी ने छह हंड्रेड टीमों के लिए फ्रैंचाइज़ी सौदों की पुष्टि की; रिलायंस का ओवल सौदा लंबित

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार (30 जुलाई) को द हंड्रेड टूर्नामेंट के आठ निवेशकों में से छह के साथ फ्रैंचाइज़ी समझौतों पर हस्ताक्षर की पुष्टि की। दो अन्य निवेशकों के साथ बातचीत चल रही है, जिनमें रिलायंस समूह भी शामिल है, जिसने ओवल इनविंसिबल्स टीम के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाई थी। इस सौदे में शामिल छह समूहों में अमेरिका स्थित टेक टाइटन्स भी शामिल है, जिसने लॉर्ड्स स्थित लंदन स्पिरिट में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। संजीव गोयनका के आरपीएसजी समूह ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का 70 प्रतिशत अधिग्रहण पूरा कर लिया है और उम्मीद है कि आईपीएल और दक्षिण अफ्रीका 20 में उनकी सुपरजायंट्स फ्रेंचाइजी की तर्ज पर इस टीम का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपरजायंट्स कर दिया जाएगा। चेन्नई स्थित सन टीवी नेटवर्क ने हेडिंग्ले स्थित नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए ईसीबी के साथ समझौता पूरा कर लिया है। जीएमआर समूह ने साउथेम्प्टन की टीम, सदर्न ब्रेव, में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। एमएलसी में वाशिंगटन फ्रीडम टीम के मालिक संजय गोविल ने वेल्श फायर टीम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेकर खुद को शामिल कर लिया है, जबकि बर्मिंघम फीनिक्स टीम में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी नाइटहेड कैपिटल मैनेजमेंट, एलएलसी ने अपने निवेशकों (नाइटहेड) की ओर से हासिल कर ली है। रिलायंस समूह द्वारा ओवल इनविंसिबल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए किए गए समझौते के अलावा, कैन इंटरनेशनल और एरेस मैनेजमेंट द्वारा ट्रेंट रॉकेट्स में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। ईसीबी ने कहा कि नए मालिक 1 अक्टूबर, 2025 से परिचालन नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे। मीडिया विज्ञप्ति में आगे स्पष्ट किया गया, नए साझेदार द हंड्रेड टीमों में निवेश कर रहे हैं, जबकि ईसीबी प्रतियोगिता का पूर्ण स्वामित्व अपने पास बनाए रखेगा, और इसके साथ ही, मामलों पर नियंत्रण बनाए रखेगा ।

जेसन होल्डर ब्रावो को पीछे छोड़कर वेस्टइंडीज के शीर्ष टी20विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, पाकिस्तान पर रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई

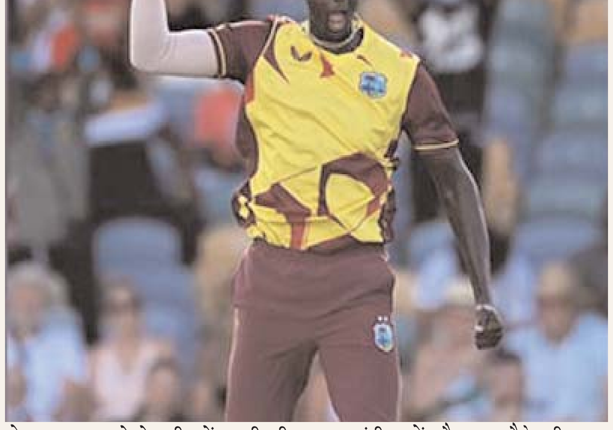

फ्लोरिडा, ऐजंसी। जेसन होल्डर ने शनिवार को लॉडरहिल में खेले गए दूसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज को पाकिस्तान पर 2 विकेट से रोमांचक जीत दिलाकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। इसके साथ ही, यह अनुभवी ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ते हुए वेस्टइंडीज के लिए पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए। होल्डर को उनके 19 रन देकर 4 विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन और शांतचित्त होकर बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाने के लिए %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया, जिसमें खेल की अंतिम गेंद पर लगाया गया मैच विजयी चौका भी शामिल था।

134 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज़ लगातार मुश्किल में दिख रहा था क्योंकि वे नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। एक समय, वेस्टइंडीज़ का स्कोर 16.5 ओवर में 98/7 था, लेकिन होल्डर ने आखिरी ओवर में धैर्य बनाए रखा और अपनी टीम को जीत दिला दी।

आखिरी छह गेंदों पर आठ रन और आखिरी गेंद पर दो रन चाहिए थे, शाहीन शाह अफरीदी ने तेज़ी से गेंद डाली, लेकिन होल्डर ने खड़े होकर उनकी गेंद पर चौका जड़कर मेज़बान टीम के लिए जीत पक्की कर दी। उन्होंने रोमांचक जीत हासिल की और सोमवार को सीरीज़ का निर्णायक मुकाबला खेला। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद नवाज़ ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और चार ओवरों में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जिससे कैरेबियाई बल्लेबाज़ों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गईं।

इससे पहले, पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनकी पारी भी लगभग वैसी ही रही। वे भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और लगातार विकेट गंवाते रहे। 9.2 ओवर में 53/4 के स्कोर पर, वे मुश्किल में दिख रहे थे, लेकिन युवा हसन नवाज ने 23 गेंदों पर चार गगनचुंबी छक्कों और एक चौके की मदद से 40 रनों की तेज पारी खेलकर उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई। नवाज़ के प्रयासों के बावजूद, पाकिस्तान 20 ओवरों में 133/9 रन ही बना सका। होल्डर ने गेंदबाज़ी में कमाल का प्रदर्शन किया। अंत में, होल्डर के शांत दिमाग और अनुभवी हाथों ने ही वेस्टइंडीज को गेंद और बल्ले, दोनों से जीत दिलाई। अब जब सीरीज़ बराबरी पर है, तो सभी की निगाहें सोमवार को होने वाले निर्णायक मैच पर टिकी हैं।

बीसीसीआई ने आयु धोखाधड़ी विरोधी अभियान तेज किया, स्क्रीनिंग एजेंसी नियुक्त करने की तैयारी

नईदिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उम्र संबंधी धोखाधड़ी के खिलाफ अपनी मुहिम तेज कर दी है और खिलाड़ियों की साख सत्यापित करने के लिए एक बाहरी एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। हाल ही में एक आरएफपी (प्रस्ताव हेतु अनुरोध) जारी किया गया है, जिसमें सत्यापन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। इस आउटसोर्स एजेंसी के अगस्त के अंत तक स्थापित होने की उम्मीद है। इस कदम के पीछे की वजह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह उन मामलों से उपजा है जहाँ जमा किए गए दस्तावेज़ या प्रमाणपत्र संदिग्ध पाए गए। यह स्पष्ट है कि बीसीसीआई इस प्रक्रिया को पेशेवर बनाना चाहता है और अधिक उम्र के खिलाड़ियों के इस प्रणाली में आने की किसी भी संभावना को खत्म करना चाहता है। बीसीसीआई दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है - पहले में दस्तावेज़ों और जन्म प्रमाण पत्रों की जाँच शामिल है, जबकि दूसरे में अस्थि परीक्षण होता है, जिसे आमतौर पर ञ्जङ्ख3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धति के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं। बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार की है। हाल ही में जारी एक अधिसूचना के अनुसार, बोली लगाने वाली कंपनियों/एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएँ प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसमें कॉर्पोरेट कंपनियाँ, शैक्षिक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

इसके अलावा, इच्छुक पक्षों के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। बीसीसीआई चाहता है कि उन्हें पहचान प्रमाण (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र - हालाँकि यहाँ इसकी आवश्यकता नहीं है), आयु प्रमाण (जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल रिकॉर्ड), निवास प्रमाण, शैक्षणिक रिकॉर्ड आदि सहित कई प्रकार के दस्तावेज़ों के सत्यापन की क्षमता प्रदर्शित करनी होगी।

रीवा को मिली एक और नई ट्रेन की सौगात

डिप्टी सीएम ने हरी झंडी दिखाकर पुणे के लिए किया रवाना,1490 किमी का तय करेगी सफर

विन्ध्य क्षेत्र उन्नति और प्रगति की ओर सतत अग्रसर है: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा को एक और नई ट्रेन की सौगात मिल गई। रीवा से पुणे (हडपसर) ट्रेन को रीवा रेलवे स्टेशन से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रेलमंत्री श्री अश्वनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअली ट्रेन को हरी झण्डी दिखाई।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र उन्नति और प्रगति की ओर सतत अग्रसर है। रीवा को 17वीं ट्रेन की सौगात मिली है। रीवा से पुणे ट्रेन के संचालन से रेल कनेक्टिविटी को गति मिलेगी और इस ट्रेन से महाराष्ट्र की व्यावसायिक नगरी पुणे तक पहुंचना अधिक सरल और सुलभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के माध्यम से मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बीच सामाजिक व आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। विन्ध्य के व्यवसायियों, विद्यार्थियों तथा अन्य यात्रियों के लिए यह ट्रेन वरदान साबित होगी। श्री शुक्ल ने कहा कि ललितपुर-सिंगरौली ट्रेन मार्ग के बन जाने से रीवा मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा और यह क्षेत्र विकसित क्षेत्र के तौर पर जाना जाने लगेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने रीवा को ट्रेन की सौगात देने व अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन के निर्माण के लिए सांसद श्री जनार्दन मिश्रा को साधुवाद दिया। उप मुख्यमंत्री ने रीवा से राजकोट जाने वाली ट्रेन को तीन दिन चलाए जाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि रीवा रेलवे के विकास के लिए प्रधानमंत्री एवं रेलमंत्री जी का योगदान महत्वपूर्ण है। ललितपुर-सिंगरौली रेलमार्ग के बन जाने पर रीवा विकसित रेलवे स्टेशन होगा और इस क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास हो सकेगा। श्री मिश्र ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन आयोग की शर्त अब मूर्त रूप ले रही है जबकि ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन को गति मिलनी प्रारंभ हो गई है। उन्होंने रीवा रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने की अपेक्षा रेलवे की अधिकारियों से की। पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्ष 2014 के बाद रीवा रेलवे स्टेशन में विकास के कार्य हुए। नई ट्रेनों का संचालन प्रारंभ हुआ तथा यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि हुई। रेलवे अधिकारी श्री सुनील ने बताया कि रीवा रेलवे स्टेशन में विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। रीवा रेलवे स्टेशन से प्रतिदिवस 16 हजार से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। उनकी सुविधाओं के लिए भी विभिन्न कार्य प्रगतिरत हैं। कार्यक्रम को रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी वर्चुअली संबोधित किया। रीवा रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व महापौर राजेन्द्र ताम्रकार सहित जनप्रतिनिधि तथा रेलवे के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति उत्थान कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विकास के साथ संस्कृति, संस्कार, धर्म व आध्यात्म आवश्यक है। भारतीय संस्कृति और सनातन को साथ लेकर चलने से ही आने वाली पीढ़ी के लिए विकास वरदान साबित होगा। उप मुख्यमंत्री एडीए इंपैक्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति उत्थान कार्यक्रम में शामिल हुए।

कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजकों द्वारा फैशन उद्योग के माध्यम से सामाजिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का उल्लेखनीय प्रयास किया है। उनके द्वारा आयोजित फैशन शो में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी और पारंपरिक भारतीय बुनाई कला, पुनर्नवीनीकरण सामग्री के उपयोग और पर्यावरण चेतना को सशक्त करने के संदेश देने वाले वस्त्र शामिल किए गए हैं, जो प्रशंसनीय हैं। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की ओर फैशन के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शुक्ल ने युवाओं को रचनात्मक कार्यों के लिए एकजुट होकर कार्य करने के लिए बधाई देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामना दी। इस अवसर पर कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, आयोजक अमित द्विवेदी, राजन गुप्ता, नेहा शहजादी तथा बड़ी संख्या में शहरवासी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एक स्कूटी से 8 बोरी सिरप बरामद करने का दावा

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल, जगह और मात्रा को लेकर भ्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कोतवाली पुलिस ने एक एक्टिवा स्कूटी से प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की 8 बोरियां बरामद करने का दावा किया है। बरामद सिरप की कुल संख्या लगभग 600 शीशियों की बताई गई है। जबकि आरोपी फरार है। मामले में न सिर्फ एक्टिवा में इतनी अधिक मात्रा में बोरी रखने की बात पर सवाल उठे हैं, बल्कि बरामदगी स्थल को लेकर भी पुलिस के बयानों में विरोधाभास सामने आया है। कोतवाली थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अखाड़ घाट क्षेत्र से एक्टिवा स्कूटी से आठ बोरियों में रखी प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त की गई। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई थी। हालांकि, सवाल यह है कि एक सामान्य एक्टिवा में इतनी अधिक बोरी एक साथ कैसे रखी जा सकती है?

वीडियो से खुली बरामदगी स्थल की असलियत: पुलिस द्वारा जारी किए गए वीडियो में देखा गया कि नशीली सिरप की बरामदगी जिस जगह दिखाई गई है, वह कोतवाली थाने के पीछे स्थित पटपर घाट है, न कि अखाड़ घाट जैसा कि पुलिस ने अपने बयान में कहा है। इससे पुलिस की कार्रवाई की पारदर्शिता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दूसरे मामले में कार से मिली केवल 2 बोरियां: इसी तरह की कार्रवाई रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र में भी की गई, जहां पुलिस ने एक लग्जरी कार से प्रतिबंधित कफ सिरप की केवल दो बोरियां बरामद कीं। इन बोरियों में कुल 300 शीशियां मिलीं।

पार्किंग में खड़ी बाइक में अचानक लगी आग, दमकल की टीम ने 10 मिनट में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रेलवे स्टेशन की दोपहिया वाहन पार्किंग में रविवार सुबह अचानक एक बाइक में आग लग गई। सुबह लगभग 5 बजे पार्किंग क्षेत्र में खड़ी बाइक से धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में उसमें आग भड़क उठी। आग की लपटें तेज होते देख पार्किंग में मौजूद लोग घबरा गए। उन्होंने तुरंत रेलवे पुलिस (जीआरपी) और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा।

10 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया: दमकल कर्मियों ने करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर

काबू पा लिया। हालांकि तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। पार्किंग में अन्य वाहन भी खड़े थे, लेकिन आग फैलने से रोक ली गई। इससे बड़ा नुकसान टलने में मदद मिली। बाइक में आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच फंसा युवक, 2 माह शिप में रहने के बाद लौटा घर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान पर्शियन गल्फ में फंसे सतना के युवक आकाश द्विवेदी की आखिरकार दो महीने बाद सुरक्षित स्वदेश वापसी हो गई। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की पहल पर ईरान स्थित भारतीय दूतावास की मदद से शनिवार को आकाश मुंबई पहुंचा, जहां से परिजन उसे लेकर सतना लौटे। आकाश ने बताया कि वह मार्च में एक ईरानी शिप पर नौकरी के लिए गया था, लेकिन युद्ध के हालात के चलते शिप दो महीने पर्शियन गल्फ में ही फंसा रहा। आकाश ने बताया कि अक्टूबर 2021 में मर्चेंट नेवी का कोर्स करने के बाद उसने 17 मार्च 2025 को एक ईरानी मालवाहक जहाज पर नौकरी शुरू की। शुरुआत में सब सामान्य था। जून में वह दुबई पहुंचा, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण जहाज का माल अनलोड नहीं हो सका। इसके बाद जहाज को वापस ईरान भेज दिया गया।

युद्ध के चलते पर्शियन गल्फ में रोक दिया गया जहाज: दुबई से लौटते वक्त जब जहाज ईरान के अब्बास बंदरगाह से करीब 15 किलोमीटर दूर पर्शियन गल्फ में था, तभी ईरान-इजराइल युद्ध के चलते हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। जहाज को समुद्र में ही रोक दिया गया। शिप पर 17 क्रू मेंबर थे, जिनमें आकाश सहित दो भारतीय, 5 अन्य देशों के और 10 ईरानी नागरिक थे। ईरानी क्रू जैसे-तैसे जहाज छोड़कर चले गए, लेकिन आकाश और गोरखपुर के प्रिंस शर्मा के पास बीजा और पासपोर्ट पोर्ट कंपनी के पास जमा थे, जिस कारण वे फंसे रह गए।

मोबाइल नेटवर्क भी नहीं, संपर्क टूटता गया: जहाज में मोबाइल नेटवर्क ठीक से काम नहीं कर रहा था, जिससे परिवार से संपर्क में भी परेशानी हुई। इधर, सतना के पौराणिक टोला निवासी आकाश के पिता चंद्रभूषण द्विवेदी लगातार बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए परेशान रहे। बेटे की हालत जानने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ती जा रही थी।

ईरानी दूतावास से संपर्क के बाद हुई वापसी: आखिरकार 14 जुलाई को चंद्रभूषण द्विवेदी ने सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस से मिलकर बेटे की मदद की गुहार लगाई।

सेंट्रल जेल में कैदी के पास मिला मोबाइल, साइबर सेल करेगी कॉल डिटेल्स की जांच

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेंट्रल जेल में एक कैदी के पास मोबाइल फोन मिला हैं। जेल अधिकारियों में इस घटना से हड़कंप मच गया है। जेल अधीक्षक लीना कोष्टा के अनुसार, प्रहरी सुंदरलाल बंसल सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कक्ष क्रमांक 7-सीडी के बाहर तैनात थे। करीब साढ़े 10 बजे वार्ड के बाथरूम की ओर संदिग्ध गतिविधि देखकर प्रहरी ने जांच की। तलाशी के दौरान छतरपुर निवासी 32 साल के बंदी जगन्नाथ यादव के पास से एक की-पैड मोबाइल बरामद हुआ। फोन में दो सिमकार्ड चालू हालत में लगे थे। प्रहरी ने तुरंत फोन जब्त कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। इस घटना की जानकारी डीजी जेल वरुण कपूर को दी गई है। साथ ही जेल मुख्यालय और डीआईजी जबलपुर को भी सूचित किया गया है। कोलगवां पुलिस को बंदी के खिलाफ अपराध दर्ज करने के लिए पत्र भेजा गया है।

बुजुर्ग को बारिश में चारपाई पर अस्पताल लाया गया, मौत

डॉक्टर पर बिना देखे मरीज को वापस भेजने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। रविवार सुबह टीबी मरीज अशोक सिंह की मौत हो गई। परिजनों ने स्वस्थ विभाग की टीम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। दरअसल, शनिवार सुबह मृतक के परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया। दो घंटे बाद जवाब मिला कि एंबुलेंस आने में अभी दो घंटे और लगेंगे। बारिश के बीच गांववालों ने बुजुर्ग को पन्नी ओढ़ाकर खटिया पर लिटाया और कीचड़ भरी पगडंडियों से सड़क तक लाए।

डॉक्टर ने पर्ची फेंकी, रात में रुकने से किया इनकार: स्थानीय युवक मनीष मिश्रा ने अपने निजी वाहन से उन्हें मऊगंज अस्पताल पहुंचाया। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर पंकज पांडे ने पर्ची हाथ में लेते ही फेंक दी। उन्होंने कहा कि टीबी का केस है, हनुमना जाना पड़ेगा। यहां कोई धर्मशाला नहीं चल रही। जब रात रुकने की विनती की गई तो उन्होंने रुकने से मना कर दिया।

डॉक्टर पर मरीज को देखे बिना ही वापस भेजने का आरोप: मरीज को न प्राथमिक इलाज दिया गया, न भर्ती किया गया और न ही रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने मरीज को देखे बिना ही लौटा दिया।

बीएमओ डॉ. प्रद्युम्न शुक्ला ने कहा कि मरीज टीबी के थे और हनुमना ब्लॉक के निवासी थे। उनकी हालत गंभीर थी। उन्हें भर्ती करना चाहिए था या रेफर करना चाहिए था। मामले की जांच की जाएगी। बीएमओ ने यह भी बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा भोपाल से संचालित होती है, इसलिए स्थानीय स्तर पर इसमें हस्तक्षेप संभव नहीं होता।

चित्रकूट मेड सुसाइड केस, पूर्व विधायक की पत्नी पर केस, प्रेमी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में 29 जुलाई को आत्महत्या करने वाली 24 वर्षीय युवती सुमन केस में बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने पूर्व कांग्रेस विधायक नीलांशु चतुर्वेदी की पत्नी अर्चना चतुर्वेदी पर शस्त्र की लापरवाही को लेकर आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत केस दर्ज किया है। आत्महत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवॉल्वर उन्हीं के नाम पर थी, जो घर में खुले तौर पर रखी गई थी।

वहीं, सुमन को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने वाले प्रेमी अरविंद उर्फ रज्जू यादव (22) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 107 (षड्यंत्र) और 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज हुआ है।

गोशाला में पनपा था प्रेम संबंध: अरविंद चित्रकूट की दास हनुमान गोशाला में काम करता था, जबकि सुमन का परिवार पास ही सब्जी बेचता था। दोनों के बीच प्रेम संबंध बने, लेकिन जब परिवार को पता चला तो सुमन की शादी कटनी निवासी एक युवक से तय कर दी गई। इसके बाद तनाव और दबाव में सुमन ने आत्महत्या कर ली।

मोबाइल से बनी रही बातचीत: सुमन ने जब अरविंद से दूरी बनाई, तो उसने बात करने के लिए उसे दूसरा मोबाइल दिया। लेकिन जब मां ने मोबाइल जब्त कर लिया, तो तनाव और बढ़ गया। लगातार पारिवारिक सख्ती, प्रेमी का दबाव और शादी की मजबूरी ने उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। पुलिस जांच जारी है।

आधी रात हवाई फायरिंग, शराब माफियाओं ने चलाईं गोलियां, खोखे बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की नागौद तहसील में शराब माफियाओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। शनिवार की देर रात सिंहपुर रोड पर अवध रेसिडेंसी के सामने चंचू सिंह के मकान के पास एक गंभीर घटना हुई। आरोप है कि स्कॉर्पियो में सवार शराब कंपनी के 8-10 लोगों ने पिस्टल से फायरिंग की। घटनास्थल से गोलियों के खोखे बरामद किए गए हैं। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

भद्दी गालियां भी दीं: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फायरिंग के दौरान आरोपियों ने भद्दी-भद्दी गालियां दीं और धमकियां भी दीं। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। स्कॉर्पियो सवार युवकों ने सिंहपुर चौराहे पर भी हवा में फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। एक होटल के सामने यह फायरिंग भय का माहौल पैदा करने के इरादे से की गई थी।

मां शारदा मंदिर में बारिश में पहुंचे 50 हजार भक्त

प्रशासन ने वाहनों को मंदिर प्रांगण तक जाने की दी अनुमति

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। । मैहर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां शारदा देवी मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन के लिए पहुंची। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने गर्भगृह के पास दो लाइनें बनाकर श्रद्धालुओं को दर्शन कराया।

50 हजार दर्शनार्थियों ने मां के दर्शन किए: मंदिर समिति की मॉनिटरिंग के मुताबिक दोपहर 12 बजे तक 50 हजार दर्शनार्थियों ने मां के दर्शन किए। दर्शन के बाद भक्त काल भैरव मंदिर, अखंड ज्योति, आल्हा-ऊदल की तलैया और अखाड़ा के भी दर्शन करते हैं।

मान्यता है कि इन स्थलों के दर्शन के साथ ही मां शारदा के दर्शन पूरे माने जाते हैं।

प्रशासन ने वाहनों को मंदिर प्रांगण तक पहुंचने की दी अनुमति: जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। बारिश को देखते हुए ऑटो रिक्शा और अन्य वाहनों को मंदिर प्रांगण तक पहुंचने की अनुमति दी गई है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु सीढ़ियों, रोपवे और सड़क मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं। मंदिर परिसर में दर्शन के पश्चात कई श्रद्धालु आंगन में सेल्फी लेने में व्यस्त नजर आए। इससे अन्य श्रद्धालुओं को दर्शन मार्ग में बाधा का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके दूर-दराज से आए भक्त अनुशासन के साथ अपनी बारी की इंतजार करते दिखे। रविवार को छुट्टी के चलते मंदिर में अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक भीड़ रही।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।